घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 58- रविवार 28- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

नई दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई...

लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की सोची-समझी साजिश है एसआईआर

मोदी सरकार ने खत्म की मनरेगा,गरीबों की पीठ में छुरा घोंपा : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक में मनरेगा की जगह नया कानून लाने, अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर भी बात हुई। साथ ही एसआईआर को लेकर भी चिंता जताई गई। मोदी सरकार ने मनरेगा को समाप्त कर करोड़ों गरीबों को बेसहारा कर दिया है,जो न सिर्फ संविधान और लोकतंत्र पर हमला है बल्कि गरीबों के पेट पर लात और पीठ में छुरा घोंपने जैसा कदम है।

एसआईआर को बताया सोची-समझी साजिश

एसआईआर को लेकर खरगे ने कहा 'मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण एक गंभीर मुद्दा है। यह लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की सोची-समझी साजिश है।' खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत जगजाहिर है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदाता सूची में दलित,आदिवासी,अति पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के नाम न कटने पाएं।

मनरेगा कानून को खत्म कर गरीबों को बेसहारा किया...

खरगे ने मनरेगा की जगह नया कानून लाने पर भी नाराजगी जाहिर की और कहा, मनरेगा कानून को खत्म कर करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा कर दिया गया है। मनरेगा को खत्म करना, राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम मनरेगा को लेकर ठोस रणनीति बनाएं और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी जन अभियान चलाएं। खरगे ने कहा, सरकार ने काम करने के अधिकार पर सुनियोजित हमला किया है। खरगे ने मनरेगा कानून की तारीफ करते हुए कहा कि इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला। यह दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम बना।

सोनिया गांधी के विचारों का उल्लेख...

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोनिया गांधी के हालिया लेख का हवाला देते हुए कहा कि मनरेगा ने गांधी जी के सर्वोदय के सपने को जमीन पर उतारने का काम किया था। उन्होंने कहा कि इस योजना का अंत सामूहिक नैतिक विफलता को दर्शाता है,जिसके सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणाम लंबे समय तक दिखाई देंगे। खरगे ने यह भी याद दिलाया कि काम करने का अधिकार संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की आत्मा है,जिसे यूपीए सरकार ने शिक्षा,भोजन,स्वास्थ्य और रोजगार के अधिकार के रूप में मजबूती दी थी।

देशव्यापी आंदोलन का संकेत...

खरगे ने साफ कहा कि मनरेगा को बचाने के लिए राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन जरूरी है। उन्होंने भरोसा जताया कि जैसे कृषि कानूनों के खिलाफ संघर्ष सफल रहा,वैसे ही इस मुद्दे पर भी जनता की ताकत सरकार को झुकने पर मजबूर करेगी। उन्होंने याद दिलाया कि किसानों की कुर्बानियों के बाद सरकार को पीछे हटना पड़ा था और भविष्य में मनरेगा की बहाली भी तय है।

संगठन मजबूत करने और चुनावी तैयारी पर फोकस...

बैठक में संगठन सृजन अभियान की प्रगति पर भी चर्चा हुई। खरगे ने बताया कि सैकड़ों जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है और आने वाले महीनों में शेष जिलों में यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी। लक्ष्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत और संघर्षशील बनाना है। उन्होंने 2026 में होने वाले असम,पश्चिम बंगाल,तमिलनाडु,केरल और पुडुचेरी के चुनावों की तैयारियों की भी जानकारी दी।

इंडिगो संकट : जांच पैनल ने 22 दिन में रिपोर्ट सौंपी,सरकार ने गोपनीय रखी

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। इंडिगो में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए को सौंप दी है। इस कमेटी को 22 दिन पहले 5 दिसंबर को बनाया गया था। हालांकि रिपोर्ट्स में क्या लिखा है,इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक डीजीसीए के एक अलग सिस्टमैटिक रिव्यू यानी एक तरह की जांच में कहा गया है कि इंडिगो ने नवंबर में अपने 307 एयरबस-विमानों के बेड़े को चलाने के लिए 4,575 पायलटों को नियुक्त किया था। यह ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के तहत जरूरी 3,684 पायलटों की संख्या से 891 ज्यादा थे। इससे पता चलता है कि यह क्रू की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग (रोस्टर) में गड़बड़ी की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। इधर, इंडिगो ने फ्लाइट कैंसिलेशन प्रभावित यात्रियों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू कर दिया है। ये वाउचर 12 महीने तक वैध रहेंगे, जो इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। दरअसल दिसंबर महीने की शुरुआत में इंडिगो की छह दिनों के भीतर 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई थीं, जिससे देश भर में हजारों यात्री फंस गए थे।

प्रधानमंत्री का हारना भारत के हारने जैसा,विदेश नीति पार्टी नहीं,देश की होती है : शशि थरूर

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि विदेश नीति भाजपा या कांग्रेस की नहीं, भारत की होती है। अगर राजनीति में कोई प्रधानमंत्री की हार पर खुश होता है, तो वह भारत की हार की खुशी मना रहा होता है। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को याद करते हुए कहा,'अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा? 'थरूर ने कहा कि भारत को पाकिस्तान से आने वाले सुरक्षा खतरों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाकिस्तान अपनी सैन्य रणनीति बदल रहा है। वह अब हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक और छिपकर हमला करने की नीति पर जोर दे रहा है।

राजस्थान में कांग्रेस का अरावली बचाओ विरोध-प्रदर्शन

अजमेर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प

दौसा में डाक बंगले का ताला तोड़ने का प्रयास

जयपुर,27 दिसम्बर 2025। दौसा में कांग्रेस के अरावली बचाओ विरोध-प्रदर्शन के दौरान विवाद हो गया। डाक बंगले के मीटिंग हॉल का ताला बंद मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ता गुस्सा गए। उन्होंने गेट का ताला तोड़ने का प्रयास किया। कांग्रेस ने दौसा के नेहरू गार्डन से गांधी तिराहे तक पैदल मार्च निकाला। तिराहे पर महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद सभी कांग्रेसी डाक बंगले पहुंचे। मीटिंग हॉल का ताला बंद मिला। इसके बाद

सांसद-विधायक समेत सभी नेता और कार्यकर्ता लॉन में बैठ गए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं को बैठने के लिए कुर्सी तक नहीं मिली। सांसद ने किसी अधिकारी को फोन कर कुर्सियों के लिए भी कहा। इसके बावजूद व्यवस्था नहीं हुई। जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ़ के समझाने पर मामला शांत हो गया। कांग्रेस विधायक (दौसा) डीसी बैरवा ने आपत्ति जताते हुए संबंधित स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अजमेर में पैदल मार्च के दौरान डीजे पर गाना बजाने पर पुलिस ने एतराज जताया। कांग्रेसियों ने पुलिस का विरोध किया। इस दौरान कांग्रेसियों से पुलिस की झड़प हो गई। पुलिस के रोकने के बावजूद कांग्रेसी डीजे पर गाना बजाते हुए निकले।

मोदी वन मैन शो चला रहे,इसका फायदा 2-3 अरबपतियों को मिल रहा : राहुल

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद कहा कि बैठक में तय हुआ है कि मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। ये सिर्फ योजना नहीं थी। मनरेगा राइट वेस्ड कॉन्सेप्ट था। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं थी। ये राइट वेस्ड कॉन्सेप्ट था। करोड़ों लोगों को मिनिमम कमाई मिलती थी। मनरेगा बंद करना डायरेक्ट राइट बेस्ड के कॉन्सेप्ट पर आक्रमण है। राज्यों के स्ट्रक्चर पर भी हमला है। ये जो पैसा लिया जा रहा है, वो राज्यों से छीनकर केंद्र सरकार ले रहा है। इससे देश के गरीबों को कष्ट पहुंचेगा। ये फैसला सीधे पीएम हाउस से लिया गया है। कैबिनेट, राज्यों से बिना पूछे ही ये फैसला लिया गया है। आज के हालत क्या हैं,इससे आपको इसका पता चल रहा है। मोदी वन मैन शो चल रहे है,मोदी जी जो करना चाहते हैं करते हैं। उसका पूरा फायदा 2-3 अरबपतियों को मिल रहा है। ग्रामीण इलाकों को नुकसान हो रहा है।

'ये संगठन की शक्ति,जय सिया राम' दिग्विजय सिंह ने की पीएम मोदी और आरएसएस की तारीफ

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पीएम मोदी की एक ऐसी तस्वीर शेयर की है, जिसने राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। दरअसल, अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाले दिग्गविजय सिंह ने पीएम मोदी की एक बहुत पुरानी तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में पीएम मोदी लालकृष्ण आडवाणी के पैरों के पास जमीन पर बैठे नजर आते हैं। दिग्विजय सिंह ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और बीजेपी का जमीनी कार्यकर्ता नीचे बैठकर सीएम और पीएम बना... यह संगठन की शक्ति है।' कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 1990 के दशक की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा करते हुए भाजपा और उसके वैचारिक जनक आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की प्रशंसा की है।

न्यूजीलैंड के पीएम ने बताया भारत के साथ एफटीए का मतलब,भारत के साथ ज्यादा रोजगार बढ़ेंगे

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को कहा कि भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से ज्यादा रोजगार बढ़ेंगे। साथ ही निर्यात और आय में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने यह बात तब कही जब भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक और लंबे समय से प्रतीक्षित एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) पूरा किया। सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लक्सन ने कहा, 'हमने कहा था कि हम अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता करेंगे और हमने इसे पूरा किया। इस ऐतिहासिक समझौते का मतलब 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के लिए दरवाजे खोलकर ज्यादा नौकरियां, ज्यादा आय और ज्यादा निर्यात करना है। एफटीए पर बातचीत औपचारिक रूप से 16 मार्च को शुरू हुई थी। नौ महीनों में पूरे हुए इस समझौते का स्वागत करते हुए लक्सन ने कहा, ' बेसिक्स को ठीक करो। भविष्य का निर्माण करो।' इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-न्यूजीलैंड एफटीए को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया था। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'भारत-न्यूजीलैंड संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को मजबूत बढ़ावा।

असम में 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम, 2027 की जनगणना से पता चल जाएगा : सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी,27 दिसम्बर 2025। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया कि राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। उन्होंने कहा कि साल 2027 में होने वाली जनगणना से ये स्पष्ट भी हो जाएगा। गुवाहाटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की जनसांख्यिकी को लेकर चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा, '2027 की जनगणना से पता चल जाएगा कि असम में रहने वाली कुल आबादी में से 40 फीसदी जनसंख्या बांग्लादेशी मुसलमानों की है।' सीएम सरमा ने कहा, '2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, अगर हम कहें कि 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी। 2021 में कोई जनगणना नहीं हुई। 2027 में जब जनगणना होगी तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या 40 प्रतिशत के करीब होगी।'

सीएम सरमा ने हालात को बताया चिंताजनक

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भी यही बात कही थी और कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ सरमा सरकार सख्त

असम के मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब उनकी सरकार ने राज्य में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ बिना किसी समझौते के सीधी कार्रवाई करने की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी डिप्टी कमिश्नर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वे अवैध अप्रवासियों और ट्रिब्यूनल द्वारा विदेशी घोषित किए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें और उन्हें निष्कासित करें। पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित प्रवर्तन एजेंसियां उन्हें बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगी । अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम,1950, राज्य सरकार को उन अवैध अप्रवासियों को निष्कासित करने का अधिकार देता है जिनका निरंतर निवास 'आम जनता के हितों के लिए हानिकारक' माना जाता है। यह कानून प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से पहचान और निष्कासन के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

राजस्थान के चूरू में भीषण हादसा,एक ट्रेलर और एसयूवी की टक्कर में पांच की मौत और तीन घायल

जयपुर,27 दिसम्बर 2025। राजस्थान के चूरू में एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम राजस्थान के चूरू जिले में एक ट्रेलर और एसयूवी की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। चौथमाल थाने के अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सांडवा थाना क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया कि एसयूवी में सवार चार लोगों,जिनमें एक महिला भी शामिल थी,की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति ने बीकानेर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान उमेद सिंह (55), प्रहलाद सिंह (35), दलीप सिंह (25),सभी लालगढ़ निवासी; राजू कंवर (40), नागौर जिले के श्यामसर निवासी;और नारायण राम (60) के रूप में हुई है, जिनकी बाद में बीकानेर में मौत हो गई। तीन घायलों को पहले सांडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया ।

दिल्ली में ऑपरेशन आघात 3.0 के तहत 285 लोग गिरफ्तार

12258 क्वॉर्टर अवैध शराब,6 किलो गांजा,2.30 लाख रुपए जब्त

नई दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। दिल्ली पुलिस की साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट टीम ने 'ऑपरेशन आघात 3.0' के तहत 285 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी हेमंत तिवारी के मुताबिक इस अभियान में एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और जुआ अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। इसके अलावा 504 लोगों को एहतियाती कार्रवाई के तहत पकड़ा गया और 116 बदमाश की धरपकड़ की गई है। अभियान में 10 प्रॉपर्टी ऑफेंडर और 5 ऑटो लिफ्टर भी गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने 21 सीएमपी, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू बरामद किए। इसके साथ ही 12,258 क्वॉर्टर अवैध शराब, 6.01 किलो गांजा और 2,30,990 नगद जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि 310 मोबाइल फोन, 231 दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन भी बरामद हुए हैं। डीसीपी ने कहा कि अभियान के दौरान कुल 1,306 लोगों को रोककर पूछताछ की गई, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके और कानून व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

क्या है ऑपरेशन आघात

दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन आघात एक विशेष अभियान है, जिसे दिल्ली पुलिस (खासकर साउथ-ईस्ट जिले में) ने संगठित अपराध, नशा तस्करी, अवैध शराब, जुआ, हथियारों के साथ अपराधियों और आदतन अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए शुरू किया है। यह ऑपरेशन मुख्य रूप से नए साल से पहले और त्योहारों के दौरान अपराधों को रोकने के लिए चलाया जाता है, जिसमें रातभर छापेमारी, संदिग्धों की पूछताछ और गिरफ्तारियां शामिल होती हैं।

संपादकीय

मोबाइल से दूरी, अखबार से दोस्ती

यूपी के स्कूलों में बच्चे पढ़ेंगे न्यूजपेपर, सेहत के लिए जरूरी कदम

उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों को अब अखबार पढ़ने की आदत डाली जाएगी। हर दिन सुबह 10 मिनट न्यूज रीडिंग होगी। यह कदम बच्चों में स्क्रीन की लत को कम करने के लिए उठाया गया है। अखबारों से बच्चों को सही जानकारी मिलेगी और उनकी भाषा सुधरेगी।यूपी के सरकारी स्कूलों में बच्चे अब अखबार भी पढ़ेंगे। उनमें पढ़ने की आदत विकसित करने और स्क्रीन टाइम घटाने के लिए यह आदेश दिया गया है। अखबार केवल सूचनाएं नहीं पहुंचाते,समझ,संवेदनशीलता और सामाजिकता भी पैदा करते हैं। इस तरह के आदेश की नौबत आना ही बताता है कि बच्चों में स्क्रीन की लत किस कदर गंभीर हो चुकी है।

आदेश के मुताबिक,मॉर्निंग असेंबली के दौरान हर दिन 10 मिनट न्यूज रीडिंग होगी। इंग्लिश और हिंदी के अखबार बच्चों को दिए जाएंगे। सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों पर आदेश लागू होगा,लेकिन प्राइवेट और दूसरे स्कूल भी चाहें तो इसका पालन कर सकते हैं। पढ़ने का मतलब केवल कोर्स की किताबें नहीं होतीं। डिजिटल दौर में सूचनाएं हर तरफ से आ रही हैं, लेकिन उसमें कौन-सी सही हैं और कौन गलत-यह समझना चुनौती है। अखबार आज भी सबसे भरोसेमंद माध्यम हैं। इनको पढ़ने से बच्चों को विश्वसनीय जानकारी मिलेगी,विभिन्न घटनाओं को लेकर उनका अपना नजरिया बनेगा और भाषा में सुधार होगा।

यह आदेश सबसे बड़ी समस्या की ओर भी ध्यान खींचता है-बच्चों का टीवी, मोबाइल से चिपके रहना। इस साल जुलाई के एक सर्वे के मुताबिक, भारत में 5 साल की उम्र तक के बच्चे हर दिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। यहां तक कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी हर दिन औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उन्हें बिल्कुल ही दूर रहना चाहिए। एक चौथाई से ज्यादा की पहुंच इंटरनेट तक है और 10 से कम उम्र वालों के भी सोशल मीडिया अकाउंट हैं।

स्क्रीन मासूमियत ही नहीं छीन रही-बेचैनी,ध्यान की कमी, नींद से जुड़ी समस्याएं, चिड़चिड़ापन भी दे रही है। स्क्रॉल से फोकस घट रहा है। यही वजह है कि हाल में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के किशोर-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन कर दिया। मद्रास हाईकोर्ट ने भी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को ऑस्ट्रेलिया जैसा कानून बनाने का सुझाव दिया है। यूपी सरकार का आदेश टेक्नॉलजी से दूर नहीं करता, बल्कि संतुलन बनाने की कोशिश है। पढ़ने की आदत धीरे-धीरे विकसित होती है। आदेश से ज्यादा प्रभाव तब पड़ेगा, जब घर-परिवार में भी बच्चों को अखबार पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सुर,दानव,दैत्य और राक्षस : मानव चेतना के चार आयाम

कमलेश झा
नगरपारा,भागलपुर,बिहार

भारतीय चिंतन परंपरा में **सुर, दानव,दैत्य और राक्षस** केवल पौराणिक पात्र नहीं हैं,बल्कि वे मानव चेतना की **चार मूल प्रवृत्तियों के प्रतीक** हैं। पुराणों की कथाएँ वस्तुतःबाहरी युद्ध का वर्णन नहीं, बल्कि अंतरात्मा के भीतर चलने वाले सतत संग्राम का दार्शनिक उद्घोष हैं। जब तक इस सत्य को नहीं समझा जाता, तब तक इन कथाओं को केवल मिथक मानना हमारी **बौद्धिक दरिद्रता** ही कहलाती है।

सुर वह चेतना है जहाँ धर्म केवल आडंबर नहीं,बल्कि जीवन-पद्धति होता है। सुर शक्ति रखते हैं, परंतु वह शक्ति संरक्षण के लिए होती है,शोषण के लिए नहीं। वे सत्ता में रहकर भी लोकहित को सर्वोपरि रखते हैं। यह सात्त्विक अवस्था मनुष्य को विवेकशील,संयमी और करुणाशील बनाती है। जहाँ न्याय स्वार्थ से ऊपर हो, वहीं सुर का निवास होता है।

इसके विपरीत **दैत्य** उस चेतना का प्रतीक हैं जहाँ शक्ति तो है,साधना भी है, परंतु विनय का अभाव है। दैत्य तप करते हैं, वर पाते हैं, पर उसी वर को अपना परम सत्य मान बैठते हैं। अहंकार उनके भीतर इतना गहन हो जाता है कि वे स्वयं को ईश्वर से ऊपर समझने लगते हैं। इतिहास और पुराण दोनों इस तथ्य के साक्षी हैं कि दैत्य का पतन कभी शत्रु ने नहीं, बल्कि अपने ही अहंकार ने किया है।

दानव चेतना का वह रूप हैं जहाँ लक्ष्य के लिए साधन गौण हो जाते हैं। उनके लिए विजय ही धर्म है और पराजय ही अधर्म। छल, युद्ध और षड्यंत्र उनकी जीवन-शैली बन जाते हैं। यह प्रवृत्ति आज के युग में भी सर्वत्र दिखाई देती है–जब सफलता के नाम पर नैतिकता का गला घोंट दिया जाता है। दानव वह अवस्था है जहाँ बुद्धि विवेक से कट जाती है और केवल लालसा शेष रह जाती है।

सबसे अंधकारमय रूप है राक्षस

यह वह चेतना है जहाँ हिंसा ही शक्ति बन जाती है और करुणा कमजोरी समझी जाती है। राक्षस न केवल दूसरों का विनाश करते हैं, बल्कि अंततः स्वयं को भी नष्ट कर लेते हैं। रावण जैसे विद्वान का पतन इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान यदि संवेदना से रहित हो, तो वह प्रवृत्ति भी राक्षसी ही कहलाता है।

पुराणों का संदेश अत्यंत स्पष्ट है

मनुष्य जन्म से न सुर होता है, न राक्षस। वह अपने कर्म, विचार और आचरण से स्वयं का स्वरूप गढ़ता है। प्रत्येक क्षण हम निर्णय लेते हैं कि भीतर के सुर को जागृत करें या राक्षस को पोषित करें।

आज जब समाज नैतिक पतन, हिंसा और स्वार्थ के संकट से गुजर रहा है, तब पुराणों का यह संदेश और भी प्रासंगिक हो उठता है। बाहरी राक्षसों से लड़ने से पहले आवश्यक है कि हम अपने भीतर पल रहे दानव और राक्षस को पहचानें और नियंत्रित करें। क्योंकि जिस दिन भीतर का सुर जागृत हो जाता है, उसी दिन से जीवन, समाज और राष्ट्र को उज्ज्वल बनाने में लग जाती है।

आव चुनाव हमारे हाथ में है...

पुराण यह नहीं कहते कि मनुष्य जन्म से सुर या राक्षस होता है। वे यह सिखाते हैं कि कर्म और विचार ही मनुष्य का पहचान तय करते हैं। हर व्यक्ति के भीतर ये चारों प्रवृत्तियाँ निवास करती हैं। प्रश्न केवल इतना है कि हम किसे पोषण देते हैं।

जब **करुणा,संयम और सत्य** का चयन करते हैं, तब सुर प्रबल होता है।
जब **अहं को पोषित** करते हैं, दैत्य जागता है। जब लालसा हावी होती है, दानव जन्म लेता है।
और जब **विवेक मर** जाता है,तब राक्षस शासन करता है।

यही पुराणों का शाश्वत संदेश है...

बाहरी युद्ध से पहले भीतर के युद्ध को जीतना आवश्यक है। यही भारतीय दर्शन की आत्मा है **विजय बाहरी नहीं,आंतरिक होनी चाहिए।**

भगवान राम के बाद अब गुरु गोविन्द सिंहजी पर सियासत

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

देखिये भगवान राम पर सियासत कर राजनीति में कहीं जी राम जी कर देना कभी जो राम को लेकर आए हैं उसे हम लेकर आयेंगे। इस तरह से वोट नहीं मिलेगा। बिहार में इस ठंड में गरीबों के रहने के ठिकाने पर बुलडोजर चला दो और वहीं अपनी सरकार बनाने के लिए उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को तोड़ दें और खुद चार्टेड प्लेन से घूमते रहो और उसका बिल धर्म से जुड़े आस्था को अपने पाले में भाषण देकर सुर्खियों में रहो ताकि लोग एक सच्चा भक्त समझें लेकिन ऐसा कब तक करेंगे क्योंकि भगवान राम की नजर उस पर है। वीर बाल दिवस जो 26 जनवरी को बड़े धूम धाम से बनाया एक अच्छी पहल है लेकिन क्या सीखा। ये बहुत जरुरी है सिख लोग कभी लम्बी-लम्बी भाषण नहीं देते हैं बल्कि काम और सेवा में विश्वास रखते हैं। लंगर कल भी चल रहा था और आज भी चला। भजन पहले भी चलता था आज भी है लेकिन इससे राजनीति रोटी नहीं सेकना चाहिए। गुरु हमेशा सेवा और जनकल्याण में विश्वास रखते थे और ऐसा नहीं है उस समय उनके सेना में मुस्लिम नहीं थे वो भी थी लड़ाई कट्टरपंथी ताकतों से लड़ना था ना कि मजहब से क्योंकि मजहब नहीं सीखता आपस में बैर रखना और पहले अपने अंदर झाँक कर देखना चाहिए। ये भाषण से नहीं कुछ पल शांत रहकर भगवान राम का ध्यान कीजिये खुद ही समझ आ जायेगा कल वाजपेयीजी की 101 जयंती पर इंडिया टुडे के वरिष्ठ संपादक रह चूके प्रभु चावला का यू टूब देख रहा था जिसमें उन्होंने कहा कि बाजपेई जी दूसरे तरह के राजनेता थे जब उन्होंने बाजपेईजी से पूछा कि संसद में विपक्ष में कांग्रेस ने 1 वोट से सरकार गिरा दी और कॉंग्रेस पर घोटाला के कई आरोप हैं जाँच क्यों नहीं कराते तो वाजपेयीजी ने कहा जनता तय करेगी और न्यायलय अवश्य उसकी जाँच करेगा मैं देश सेवा की भावना से सरकार में हूँ जनता अगर पुनः विश्वास करेगी तो सरकार में आयूंगा नहीं तो विपक्ष में रहूँगा सत्ता देश सेवा के लिए है और अगर मैं उसी पर ध्यान दिया तो जनता पर कौन ध्यान देगा और फिर मेरी और उनकी पार्टी में क्या अंतर रह जाएगी अतः किसी के निजी मामलों पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और बाद में पूर्ण बहुमत से एनडीए की सरकार बनी। अतः अब इस बात पर ध्यान देना जरुरी है कि देश में जनता की सेवा कैसे की जाए उस समय हमें मालूम है किसी मित्र को कहीं नौकरी मिली उस समय 25 साल उम्र सीमा थी लेकिन 2002 में एनडीए में सरकारी नौकरी में उम्र सीमा बढ़ा कर 28 साल हुई और एक दूसरे मित्र जो हताश था 2 महीने के अंतर यानी 27 साल 10 महीने के उम्र में नौकरी मिली अतः कहीं ना कहीं बेरोजगार को एक राहत की सांस मिली अतः काम मायने रखता है भाषण नहं पहले उसके तारीफों के पूल बांध देते हो और अंदर ही उसके प्रति जहर भरा रहता है जैसे इसका शिकार महात्मा गांधीजी को मनरेगा से मालूम होता है सत्ता आती है लेकिन जाती भी है इसलिए ऐसा ना करो जिससे बाद में लोग आपपर हँसे,गुरूगोविन्द सिंह की जन्मस्थान पटना में लोगों का अटूट विश्वास है वहाँ हिन्दू मुस्लिम और सभी

जाती के लोग कहीं भी उनके नाम रखने या कार्यक्रम में कोई भी दुर्भावना नहीं देखने को मिलती है बल्कि लोग और उनमें विश्वास रखते हैं और हर चाय और दुकान में लोग उनका फोटो लगाकर उनका पूरा सम्मान करते हैं क्योंकि वो कहीं भी धर्म के नाम पर लड़ाने की कोशिश नहीं की किसी गरीब का घर नहीं उजाड़ा ना ही किसी के पेट पर लात मारा बल्कि गरीबों के लिए लंगर लगाया और उसमें सभी जाती सभी धर्मो के लोग जाते हैं इसलिए इंसान को किसी गरीब का दर्द समझना चाहिए गरीब है इसलिए तो फुटपाथ पर बसेरा बनाया है उसका इंतजाम किया ही नहीं और बुलडोजर चला दिया ऐसा नहीं होना चाहिए ऐ मैं नहीं एनडीए के घटक दल हम के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी कह रहें हैं अब तो राज्य सभा का टिकट ना मिलने पर पार्टी से अलग होने का संदेश भी दे दिया जो एनडीए के लिए शुभ नहीं है क्योंकि उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि जब हाथी चींटी को मसलना चाहता है तो ऐसा नहीं है चींटी कुछ नहीं करती जब वह काटती है तो हाथी दर्द से बहुत जो से चिल्लाता है अतः उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है लेकिन इसारों इसारों में अपनी ताकत का इजहार कर दिया और उनका टूटना बिहार में निम्न जाती का बहुत बड़ा वोट बैंक है इसलिए किसी को कमजोर ना समझकर मानवता से काम लेना चाहिए अभी बंगलादेश में हिन्दू के साथ अत्याचार हो रहा है कौन बचा रहा है गुरुतेगबहादुर ने तो इसी अत्याचार के लिए हिन्दू की रक्षा हेतु अपना बलिदान दिया और हिन्द की चादर कहलाये, गुरू नानक देव जी खुद मक्का गए और पैर उस तरफ पड़ने पर मक्का के किसी मुस्लिम को आपत्ति हुई तो कहा जहाँ नहीं दिखता उधर कर दे और चारों तरफ वही दिखने लगा तब उसने उनसे क्षमा मांग ली और समझ गया वो तो सबका मालिक सब जगह है अतः धर्म की आड़ में सियासत करना सही नहीं है अगर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया गया तो उसमें एक नाम टोडरमल का भी आता है जिन्होंने गुरू गोविन्द सिंह जी के उन शहीद साहिबजादो के अंतिम संस्कार के लिए जमीन लेने हेतु सोने की अशर्फी खड़ी कर बिछा दी और सब कुछ खोकर भी बहुत कुछ पाया गुरु का आशीर्वाद ही महान बनाती है और गुरुगोविन्द सिंह को विचारों में मतभेद के कारण पहाड़ी के हिन्दू राजा से भी लड़ना पड़ा वो तो एक महान संत थे और कभी अपनी पूजा के लिए नहीं मानवता की रक्षा के लिए देश को संदेश दिया और अगला गुरू गुरू ग्रन्थसाहिब को घोषित किया इसलिए कुछ मांगना है तो उसी गुरू से मांगो राजनेता से नहीं वो अन्तर्यामी है और सबको देख रहा है इसलिए इनसब पर सियासत ठीक नहीं है क्योंकि अंतः में देखेंगे तो सब भगवान राम से ही जुड़ा है जो समय समय पर धरती पर कट्टरपंथी ताकतों से लड़ना के लिए किसी ना किसी संत को सत्य का मार्गदर्शन कराया लोगों

को कट्टर पंथी ताकतों से लड़ने हेतु एक जुट किया व अच्छे विचारों के लिए भेजा और मानवता की रक्षा की।

डिजिटल क्रांति दुधारी तलवार,सोशल नेटवर्किंग जागरूकता से जनित मानसिक जटिलताएँ...

संजीव ठाकुर,
रायपुर,छत्तीसगढ़

सोशल नेटवर्किंग और डिजिटल क्रांति 21वीं सदी की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है, क्योंकि इंटरनेट और वेब मीडिया के इस युग ने सूचना के आदान-प्रदान,जनमत निर्माण,विभिन्न क्षेत्रों,संस्कृतियों और समाजों को जोड़ने तथा उन्हें सहभागी बनाने में एक अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। सोशल नेटवर्किंग केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि एक सामाजिक पहचान और स्टेटस सिंबल भी बन चुकी है। जितनी तेज़ी से इसने दुनिया को जोड़ा है उतनी ही गहराई से इसने मानसिक,सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं को जन्म भी दिया है। सोशल मीडिया ने वैश्विक स्तर पर एक ऐसे नए नागरिक को जन्म दिया है जो स्वयं जागरूक है और दूसरों को भी जागरूक करता है,किंतु इसी प्रक्रिया में बच्चे और किशोर बहुत कम उम्र में वयस्क दुनिया के दबाव,तुलना,आभासी प्रतिस्पर्धा और मानसिक द्वंद्व का शिकार हो रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग आज मानसिक रोगों को जन्म देने वाली एक अदृश्य मशीन के रूप में भी सामने आ रही है। गांव से लेकर शहर तक लगभग हर व्यक्ति इसके प्रभाव में है और कई बार यह प्रभाव मानसिक संतुलन को डगमगाने की स्थिति तक पहुंच जाता है। अभिभावकों द्वारा मोबाइल फोन छीन लेने पर बच्चों में अवसाद और आत्मघाती प्रवृत्तियों के बढ़ते मामले इस खतरे की गंभीर चेतावनी हैं। वर्तमान समय में फेसबुक,व्हाट्सऐप,ट्विटर (एक्स),इंस्टाग्राम,लिंक्डइन जैसे मंच इंटरनेट का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं जो दुनिया भर के अरबों लोगों को पलक झपकते जोड़ देते हैं। इंटरनेट ने भौगोलिक दूरियों को लगभग समाप्त कर दिया है और वैश्विक समाज एक तरह से 'आभासी राष्ट्र' का नागरिक बन गया है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में सोशल मीडिया के उपयोगकर्ताओं की संख्या दुनिया में अग्रणी है और डिजिटल इंडिया के साथ यह संख्या लगातार बढ़ रही है, सोशल नेटवर्किंग का सकारात्मक पक्ष यह है कि इससे शिक्षा,व्यापार,पत्रकारिता, जन-जागरूकता,रोजगार,सामाजिक अभियानों और त्वरित सूचना प्रसार को नई गति मिली है। कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं, बचाव उपायों और सरकारी दिशा-निर्देशों के प्रसार में सोशल मीडिया ने मानवीय सहायता का ऐतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत किया। भारत जैसे देश में इतनी बड़ी आबादी के बावजूद महामारी पर नियंत्रण में सोशल मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के पक्ष को रखने,सीमा संबंधी मुद्दों और वैश्विक जनमत को प्रभावित करने में भी सोशल मीडिया एक प्रभावी माध्यम बना,किंतु इसका नकारात्मक पक्ष उतना ही खतरनाक है क्योंकि अत्यधिक उपयोग मानव मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। अवसाद,अकेलापन, आक्रामकता, स्मरण शक्ति और चिंतन क्षमता में गिरावट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं,सोशल मीडिया फर्जी समाचार, भड़काऊ भाषण, अफवाहों और साइबर अपराध का बड़ा मंच बन चुका है, भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में यह सामाजिक सौहार्द,राष्ट्रीय एकता और स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है। साइबर स्कैम, निजी डेटा की चोरी,धार्मिक भावनाओं और राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान तथा कानूनों का उल्लंघन इसके दुष्परिणाम हैं। अनियंत्रित सोशल मीडिया उपयोग से व्यक्ति-व्यक्ति के बीच वास्तविक संवाद और संवेदना की दूरी बढ़ती जा रही है। इस प्रकार सोशल नेटवर्किंग ज्ञान,रोजगार,संचार और सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम होने के साथ-साथ मानसिक, सामाजिक और नैतिक संकटों का कारण भी बन रही है। इसलिए यह आवश्यक है कि सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन,विवेक और जिम्मेदारी विकसित की जाए। निजता के अधिकार की रक्षा करते हुए इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए नए कानूनी, सामाजिक और नैतिक विकल्पों की खोज की जाए,ताकि इसकी सकारात्मक शक्तियों को आत्मसात करते हुए आने वाली पीढ़ियों को इसके संभावित दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

आवश्यक हुआ तब AI को अपनाना जरूरी

जसप्रीत बिंद्रा

2025 में एआई डेमो से आगे बढ़कर वास्तविक क्रियान्वयन और स्वायत्तता की ओर बढ़ा,एजेंटिक एआई प्रमुख अवधारणा बनी। इसने कोडिंग और ऊर्जा अवसंरचना को प्रभावित किया। डीपफेक्स जैसे स्याह पहलुओं के बावजूद, गूगल एक लीडर के रूप में उभरा। 2026 में रीजनिंग वेब और फिजिकल एआई का युग आएगा,जहां मानवीय विवेक और रचनात्मकता का महत्व बढ़ेगा। भारत के लिए भी यह एक निर्णायक क्षण होगा।

अगर 2024 वह साल था, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने बोलना सीखा तो 2025 वह साल रहा,जब एआई के हाथ बढ़े और उसका दायरा एवं प्रभाव बढ़ा। यह वह वर्ष रहा,जब एआई निर्णायक रूप से डेमो और पायलट प्रोजेक्ट्स से आगे निकलकर वास्तविक क्रियान्वयन, स्वायत्तता और बड़े पैमाने पर उपयोग में उतरा। चर्चा एआई टूल्स के इस्तेमाल से आगे बढ़कर एआई एजेंट्स के निर्माण पर आ गई।

जेनरेटिव एआई की जगह एजेंटिक एआई प्रमुख अवधारणा बन गई। एजेंटिक एआई ऐसे सिस्टम को कहते हैं, जो सिर्फ इंसानों को सलाह नहीं देते,बल्कि एंटरप्राइज साफ्टवेयर के भीतर बहु-चरणीय वर्कफ्लो को स्वयं अंजाम देते हैं। एजेंटिक ब्राउजर्स से लेकर ऑटोनॉमस कॉमर्स और वर्कफ्लो ऑटोमेशन तक, एआइ एक सहायक से बढ़कर जूनियर सहयोगी की तरह व्यवहार करने लगा। वर्ष 2025 आत्ममंथन का भी साल रहा।कंपनियों ने दिखावटी प्रयोगों को छोड़कर ठोस और मापने योग्य रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट की मांग शुरू की। एआई को अपनाना अब अपवाद नहीं,बल्कि जरूरत बन गया। कोडिंग पहला ऐसा उपयोग क्षेत्र बना, जहां एआई का व्यापक पैमाने पर असर दिखा। क्लाड, कर्सर और कोपायलट जैसे एआइ टूल्स एंटरप्राइज स्तर पर 40 प्रतिशत से अधिक नया कोड तैयार करने लगे। इसके साथ ही साफ्टवेयर इंजीनियर की भूमिका भी बदलने लगी। अब वह सिर्फ कोड लिखने वाला नहीं, बल्कि मशीन श्रम का पर्यवेक्षक और सिस्टम आर्किटेक्ट बनता जा रहा है। सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग के शब्दों में कहें तो हम सॉफ्टवेयर एजेंट्स के लिए

एचआर मैनेजर बन गए हैं।

इस गुजरते साल पर्दे के पीछे एआइ की भौतिक नींव भी तैयार हो रही थी। एटम्स फॉर एल्गोरिद्म्स आंदोलन के तहत बड़ी टेक कंपनियों ने गीगावाट-स्तरीय डाटा केंद्रों को ऊर्जा देने के लिए परमाणु ऊर्जा की ओर रुख किया। एआइ ने सिर्फ सॉफ्टवेयर को नहीं बदला,बल्कि वैश्विक ऊर्जा अवसंरचना को भी नए सिरे से आकार देना शुरू कर दिया। इसी बीच चीन ने बिना शोर-शराबे के वर्ष 2025 में बढ़त बना ली। उसका फोकस एजीआई (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) की समय-सीमाओं की घोषणा करने के बजाय अनुप्रयोगों, ओपन-सोर्स नेतृत्व और ऊर्जा प्रचुरता पर रहा। एजीआई को मानव-स्तरीय एआई भी कहा जाता है। यह एक ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता है, जो लगभग सभी संज्ञानात्मक कार्यों में मानव क्षमताओं के बराबर या उनसे भी आगे निकल सकती है। ओपन-सोर्स का स्वामित्व एक बार फिर दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त साबित हुआ। बीत रहा वर्ष एआई के स्याह पहलुओं को भी उजागर कर गया। हम उनकी अनदेखी नहीं कर सकते। डीपफेक्स ने दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए खतरा पैदा किया,एआई कंपैनियंस ने अकेलेपन और मानवीय संबंधों को लेकर असहज सवाल खड़े किए और उद्योग एक डाटा सीमा से टकरा गया, जिससे सिंथेटिक डाटा की ओर झुकाव बढ़ा। इसके बावजूद इस साल के अंत तक गूगल एक अप्रत्याशित एआई लीडर के रूप में उभरा, जिसने चिप्स,माडल्स,डाटा और डिस्ट्रीब्यूशन में अपनी फुल-स्टैक ताकत का लाभ उठाया।अगर वर्ष 2025 क्षमताओं का साल था तो 2026 विवेक का होगा। हम उस दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसे रीजनिंग वेब का युग कहा जाता है, जहां सर्च इंजन लिंक दिखाने के बजाय सीधे उत्तर देने वाले इंजन बन जाएंगे और एआई ब्राउजर ज्ञान को समेटकर प्रस्तुत करेंगे। हालांकि इससे वेब की आर्थिक संरचना को नए सिरे से गढ़ना पड़ेगा,अन्यथा यह उन्हीं क्रिएटर्स को नुकसान पहुंचाएगा, जिन पर एआई निर्भर है। इसी समय एजेंट्स कोपायलट से आगे बढ़कर सहयोगी बन जाएंगे और हल्की मानवीय निगरानी में पूरे वर्कफ्लो चला सकेंगे।

वर्ष 2026 वह साल भी होगा, जब एआइ को शरीर मिलेगा। फिजिकल एआई यानी रोबोट्स और ऑटोनॉमस सिस्टम्स प्रयोगशालाओं से बाहर निकलकर वेयरहाउस,फैक्ट्रियों और शहरों की सड़कों तक पहुंचेंगे। सेल्फ-ड्राइविंग कारों का अलग-अलग शहरों और महाद्वीपों में विस्तार इस बात का संकेत है कि एंबेडेड इंटेलिजेंस अब कल्पना नहीं, बल्कि वास्तविक संचालन बन चुकी है। सेल्फ-ड्राइविंग कारें इंसानी हस्तक्षेप के बिना चल सकती हैं। अगले साल एआई वैल्यूएशंस में सुधार जरूर आएगा, लेकिन गिरावट नहीं,क्योंकि तकनीक ठोस है, इन्फ्रास्ट्रक्चर गहरा है और कैश फ्लो मजबूत है। इसके बजाय जो चीज सबसे मूल्यवान बनेगी, वह है मानवीय तत्व। जब एआई-जेनरेटेड कंटेंट इंटरनेट पर बाढ़ की तरह फैल जाएगा, तब सत्यापित मानवीय रचनात्मकता, विवेक और जुड़ाव एक तरह की लक्जरी बन जाएंगे।

कुल मिलाकर दुनिया के साथ-साथ भारत के लिए भी 2026 एआई के क्षेत्र में एक निर्णायक क्षण लेकर आएगा। संप्रभु एआइ इन्फ्रास्ट्रक्चर, क्षेत्रीय भाषाओं में कंटेंट का विस्फोट और जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) तक पहुंच अब वास्तविक लगने लगी है। अगर 2025 ने हमें दिखाया कि एआइ क्या कर सकता है तो 2026 हमें यह तय करने पर मजबूर करेगा कि हम उसके साथ कैसे जिएं, काम करें और शासन करें। कच्ची बुद्धिमत्ता का युग पीछे छूट चुका है। अब विवेक का युग शुरू हो रहा है।

कोई काम शुरू करने से पहले स्वयं से तीन प्रश्न कीजिए मैं यह क्यों कर रहा हूं इसके परिणाम क्या हो सकते हैं और क्या मैं सफल होगा और जब गहराई से सोचने पर इन प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर मिल जाए तभी आगे बढ़े – चाणक्य

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

अवैध गुड़ उद्योगों पर कलेक्टर का फिर ताबड़तोड़ एक्शन

तीसरे दिन आज भी शक्कर कारखाना पहुंचकर मचाया हड़कंप,अधिकारियों को जमकर फटकार,सख्ती के बाद कई गुड़ उद्योग संचालकों में बढी बेचैनी

सख्ती के बाद कई गुड़ उद्योग संचालकों में बढ़ गई है बेचैनी

सूत्रों की मानें तो कलेक्टर की इस सख्ती के बाद कई गुड़ उद्योग संचालकों में बेचैनी बढ़ गई है। वर्षों से नियमों को ताक पर रखकर चल रहे उद्योगों पर अब बड़ी कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है। खासकर बिना लाइसेंस, बिना मंडी शुल्क और प्रदूषण नियमों की अनदेखी कर चल रहे उद्योग अब प्रशासन के सीधे निशाने पर हैं। आज के निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रतापपुर ललिता भगत, तहसीलदार चंद्रशीला जायसवाल, प्रबंध संचालक आकाशदीप पात्रे, मुख्य गन्ना विकास अधिकारी प्रमोद चौहान, चीफ केमिस्ट मनोज पाड़ी, मुख्य अभियंता सुनील तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अब पूरे जिले की निगाहें 31 दिसंबर के बाद होने वाली ठोस कार्रवाई पर टिकी हैं। कलेक्टर की लगातार सक्रियता से यह साफ संकेत मिल रहा है कि इस बार अवैध गुड़ उद्योगों की खैर नहीं और किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों पर प्रशासन सख्त प्रहार करने जा रहा है। क्योंकि प्रतापपुर विकासखंड में धड़ल्ले से चल रही अवैध गुड से शक्कर कारखाना में गन्ना मानक क्षमता से कम जा रही है। और सरकार को करोड़ों का नुकसान हो रहा है

-सोनू कश्यप-

प्रतापपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। अवैध गुड फैक्ट्री पर लगातार समाचार प्रकाशन के बाद,मचा हड़कंप...प्रतापपुर में अवैध रूप से संचालित गुड़ उद्योगों के खिलाफ प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। लगातार तीसरे दिन कलेक्टर एवं माँ महामाया सहकारी शक्कर कारखाना के प्रशासक एस. जयवर्धन ने सख्त तेवर दिखाते हुए आज फिर शक्कर कारखाना केरता पहुंचकर अधिकारियों की क्लास लगाई। कलेक्टर की इस लगातार कार्रवाई से जिले के गुड़ उद्योग संचालकों और संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया है। आज के औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शक्कर कारखाना परिसर, शक्कर गोदाम में उपलब्ध स्टॉक, गन्ना खरीदी व्यवस्था,रिकॉर्ड संधारण और कारखाने के विभिन्न तकनीकी व प्रशासनिक पहलुओं की गहनता से जांच की। निरीक्षण के दौरान कई बिंदुओं पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और साफ शब्दों में कहा कि अब किसी भी हाल में अवैध गुड़ फैक्ट्री नहीं चलने दी जाएगी।

कलेक्टर ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि शासन द्वारा तय नियम,मापदंड और प्रारूपों की अनदेखी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी, चाहे वे कितने ही प्रभावशाली क्यों न हों। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 दिसंबर तक जिले के सभी गुड़ उद्योगों से तय प्रारूप में पूरी जानकारी अनिवार्य रूप से एकत्र की जाए और एक-एक उद्योग की भौतिक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। लगातार मीडिया में प्रकाशित खबरों और जन शिकायतों को आधार बनाते हुए कलेक्टर ने कहा कि अवैध गुड़ उद्योग न सिर्फ किसानों के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, बल्कि पर्यावरण, मंडी व्यवस्था और शासन के राजस्व को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आई तो उसके खिलाफ भी कठोर कार्रवाई तय है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शक्कर गोदाम में रखे स्टॉक का मिलान रजिस्टर से कराया, रिकवरी प्रतिशत, उत्पादन क्षमता और गन्ना आवक की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कारखाने में आने वाले गन्ने की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का पूरा लाभ मिल सके और रिकवरी प्रभावित न हो। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि शक्कर कारखाना क्षेत्र के किसानों के लिए स्थायी और सुरक्षित बाजार है। यदि कारखाने की व्यवस्था कमजोर हुई तो इसका सीधा नुकसान किसानों को होगा। इसलिए कारखाना प्रबंधन, कृषि विभाग, सहकारिता और राजस्व विभाग को समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए।

तुष्टिकरण के लिए इतिहास से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं... भारत सिंह सिसोदिया

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। इतिहास पर मुगलों को लेकर पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि मुगल शासन को लेकर दिए जा रहे तथ्यहीन,भ्रामक और तुष्टिकरण से प्रेरित बयानों की भारतीय जनता पार्टी कड़े शब्दों में भर्त्सना करती है। यह दावा कि मुगल काल में हिंदुओं पर किसी प्रकार का अत्याचार नहीं हुआ,यह कहना भारत की सभ्यता, आस्था और असंख्य बलिदानों का खुला अपमान है। भारत में अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए मुगलों ने कई तरह के हथकंडे अपनाए,तत्कालीन हिन्दुस्तानियों का मनोबल तोड़ने का पूरा प्रयास किया, और अब कांग्रेसी भ्रम पैदा करके मनोबल पर आघात करना चाहते हैं ।

उन्होंने बताया कि इतिहास के प्रामाणिक स्रोत मुगलकालीन फारसी ग्रंथ मासिर-ए-आलमगिरी,बाबरनामा,मुंतखब-उत-तवारीख,तथा आर.सी. मजूमदार और जदुनाथ सरकार जैसे प्रतिष्ठित इतिहासकारों के शोध स्पष्ट करते हैं कि औरंगज़ेब के शासनकाल में 1679 में हिंदुओं पर जज़िया कर लगाया गया, काशी विश्वनाथ और मथुरा के केशवदेव सहित अनेक प्राचीन मंदिरों का ध्वंस हुआ,हिंदू धार्मिक आयोजनों पर प्रतिबंध लगाए गए और जबरन धर्मांतरण की घटनाएँ दर्ज हैं। श्री सिसोदिया ने कहा कि वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर इस प्रकार के बयान देना गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहेबज़ादों तथा गुरु तेग बहादुर जी के सर्वोच्च बलिदान का घोर अपमान है, जिन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। आज भी कश्मीर, पश्चिम बंगाल सहित कई क्षेत्रों में उभरती कटु वास्तविकताएँ इस बात की चेतावनी देती हैं कि इतिहास से सबक न लेने की कीमत समाज को बार-बार चुकानी पड़ती है। आगे उन्होंने बताया NCERT की नई इतिहास पुस्तकों (विशेषकर कक्षा 8), विद्वान कोएनराड एल्स्ट के शोध, History of Aurangze, सिख इतिहास और मराठा इतिहास की प्रामाणिक पुस्तकों में इन तथ्यों का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। इसके बावजूद कांग्रेस और उसके नेता, जो अतीत में भगवान श्रीराम, रामसेतु के अस्तित्व को नकारते रहे हैं और लगातार आपत्तिजनक टिप्पणियाँ करते आए हैं, आज मुगलों को हिंदुओं का संरक्षक बताने का दुस्साहस कर रहे हैं। यह उनके दोहरे चरित्र और तुष्टिकरण की राजनीति को उजागर करता है। भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट करती है कि इतिहास को न तो वोट-बैंक की राजनीति के लिए तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है और न ही झूठे आख्यानों से सत्य को दबाया जा सकता है। साथ हीं देशवासियों से विशेष अपील है कि वे प्रमाणित ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर ही मत बनाएं और राष्ट्र की स्मृति, आत्मसम्मान एवं एकता को कमजोर करने वाले हर प्रयास को सिरे से खारिज करें।

अवैध धान परिवहन एवं किसानों के दस्तावेजों के दुरूपयोग के विरूद्ध श्याम सुन्दर गुप्ता पर एफआईआर दर्ज

-संवाददाता-

बलरामपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। विगत दिवस विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के अंतर्गत ग्राम कुर्लडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा अवैध धान परिवहन करने एवं किसानों के ऋ ण पुस्तिका,बैंक खाता, चेकबुक एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों का दुरूपयोग करने पर एफआईआर दर्ज किया गया। विगत रात्रि लगभग 08 बजे राजस्व तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध धान परिवहन कर रहे पिकअप वाहन को दौड़ाकर पकड़ा गया। वाहन चालक से पूछताछ करने पर कुर्लूडीह निवासी सुन्दर गुप्ता पिता श्री कृष्णकान्त प्रसाद गुप्ता उम्र 35 वर्ष जाति रौनियार के घर में अवैध धान को अनलोड करना बताया गया। इस दौरान संयुक्त टीम द्वारा उनके घर पर दबिश देने पर दो नग कटा हुआ ब्लैंक(बिना भरे हुये) चेक,अन्य तीन का लेखा जोखा की पर्ची 01 नग, एक नग संगीता गुप्ता का बैंक का राशि जमा पर्ची, दीपनारायण का बैंक जमा पर्ची, राजमनिया, हुबलाल, बलि, लहरू, रूकमनिया का भरा हुआ विड्रॉल फार्म, जिला सहकारी बैंक से इंडियन बैंक सुपाचुवा (उ0प्र0) का आरटीजीएस फार्म,श्याम सन्दर गुप्ता का राशि जमा पर्ची, दोलंगी समिति का तौल पर्ची गणेश पण्डो ग्राम सुन्दरपुर का पाया गया। इस दौरान धान की गिनती की गई, जिसमें लगभग 400 बोरी धान पाया गया है।

श्याम सुन्दर गुप्ता के घर में तलाशी करने पर चेक 62 नग,किसान किताब भाग- एक 46 नग,भाग- दो 59 नग,वन अधिकार पुस्तिका 02 नग,केसीसी पास बुक 19 नग,जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक का पास बुक- 161 नग,बड़ा डायरी 13 नग, पॉकेट डायरी 08 नग, कटा हआ चेक 22 नग, डेली अटेंडेंस (बिना भरे हुये) जिला सहकारी बैंक का रजिस्टर 02 नग, विड्रॉल फार्म भरा हुआ 261 नग, सामान्य हिसाब-किताब एवं बिल पर्ची 550 नग, विड्रॉल फार्म कोरा (बिना भरे हुये) 01 बण्डल, बैंक का जमा पर्ची एवं टोकन पर्ची 150 नग. धान खरीदी केन्द्र का तौल पर्ची 100 नग, श्री बंधू सरूता के एसबीआई का बैंक पास बुक एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी तथा 02 नग फोटो, श्री रतू कुमार पण्डो ग्राम कुर्लूडीह का 02 नग फोटो प्राप्त हुआ।

तलाशी के दौरान नगद राशि 1 लाख 67 हजार 100 रूपये प्राप्त हुआ, जिसे श्याम सुन्दर गुप्ता के छोटे भाई शिवम कुमार के बिजनेस का राशि होना बताया गया है। तलाशी में पृथक से एक कत्था रंग का बैग पाया गया, जिसे श्याम सुन्दर गुप्ता ने अपना निजी दस्तावेज का बैग होना बताया, जिसकी तलाशी करने पर 05 नग पास बुक, 2 नग किसान किताब भाग- एक, 04 नग चेक बुक, 01 नग कटा हआ चेक बुक, कार वाहन का डाक्युमेंट, आधार कार्ड 09 नग, विभिन्न कृषकों का फोटो 30 नग, एटीएम 12 नग, पेन कार्ड 08 नग. वोटर आईडी 03 नग, ड्राईविंग लायसेंस 01 नग, गाडी का आरसी बुक 01 नग, 05 नग मोबाईल, पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 4218, मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 डीवाय 4601 को अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना सनावल में भेजा गया है। जांच के दौरान श्री श्याम सुन्दर गुप्ता के पिता एवं अन्य तीन के नाम भूमि रजिस्ट्री वर्ष 1978, वर्ष 2005 से 2009 के बीच का अन्य दस्तावेज एवं 1,67,100/- रूपये, (एक लाख सड़सठ हजार एक सौ रूपये मात्र) तथा लगभग 400 बोरी धान को श्री कृष्णकांत प्रसाद गुप्ता पिता श्री रामचंद्र प्रसाद गुप्ता को सुपूर्द में दिया गया है।

प्रारंभिक जांच में यह प्रमाणित होता है कि श्री श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा किसानों के ऋण पुस्तिका, बैंक खाता, चेक बुक आदि महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अपने कब्जे में रखकर अन्य सीमावर्ती प्रांत से धान कम कीमत में लाकर छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केन्द्रों में विक्रय करता है। उक्त राशि ट्रांजेक्शन बड़े पैमाने में स्वयं के एवं अपने परिवार के खाते में राशि अंतरण किया जाना प्रतीत होता है, क्योंकि बैंक के विड्रॉल पर्ची में पूर्व से किसानों का हस्ताक्षर कर अपने पास रखा जाना पाया गया है। उक्त कार्य में अन्य लोगों की भी संलिप्तता पायी जा संकती है। श्री श्याम सुन्दर गुप्ता पिता कृष्णकांत प्रसाद गुप्ता के द्वारा किसानों के साथ छल-कपट कर अवैध धान का विक्रय कर शासकीय एवं किसानों की राशि का दुरूपयोग किया जाना प्रतीत होता है। जिस पर श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा 3,7, आवश्यक वस्तु अधिनियम 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के विपरित कार्य किया गया है, जिसके लिए उक्त कृत्य पर एफआईआर दर्ज की गई है।

अनुशासनहीनता पर पंचायत सचिव तत्काल प्रभाव से निलंबित

-संवाददाता-

बलरामपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान 26 दिसंबर 2025 को चेकपोस्ट रामानुजगंज में श्री सिद्धार्थ शंकर हालदार, पंचायत सचिव ग्राम पंचायत विजयनगर, जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर, में ड्यूटी समय प्रातः 06.00 से दोपहर 02.00 बजे तक अनुपस्थित पाये गये। पंचायत सचिव का उपरोक्त कृत्य कार्य के प्रति उनकी घोर लापरवाही, उदासीनता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है। जो छ.ग. पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम तीन (1) (2) (3) के विपरीत कदाचरण की श्रेणी में आता है। जिला पंचायत सीईओ के द्वारा श्री सिद्धार्थ शंकर हालदार, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत विजयनगर, जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर को उपरोक्त कृत्य हेतु छ.ग. पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999 के नियम 4 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में सिद्धार्थ शंकर हालदार का मुख्यालय जनपद पंचायत बलरामपुर नियत किया जाता है। इस दौरान श्री हालदार को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

प्रतापपुर हादसों का डेंजर जोन बना पेंडारी घाट, ओवरलोड धान लोड ट्रक पलटा,बड़ा हादसा टला

-संवाददाता-

प्रतापपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। प्रतापपुर क्षेत्र के पेंडारी घाट को अब लोग हादसों का डेंजर जोन कहने लगे हैं। यहां आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाएं प्रशासन और परिवहन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। ताजा मामला चंदौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पेंडारी घाट का है, जहां रामानुजगंज से अंबिकापुर की ओर धान लोड कर विक्रय हेतु जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक CG 04 LZ 6785 में क्षमता से अधिक धान लोड किया गया था। घाट की तीखी ढलान पर पहुंचते ही ट्रक का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पलट गया। हादसा इतना अचानक था कि आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि ट्रक चालक और क्लीनर ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। दोनों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें स्थानीय स्तर पर उपचार दिया गया। यदि ट्रक घाट के मोड़ पर किसी अन्य वाहन या राहगीर से टकरा जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना की सूचना मिलते ही चंदौरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए यातायात को सुचारू कराया। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। साथ ही ट्रक में लोड धान की भी गहन जांच शुरू कर दी गई है। यह पता लगाया जा रहा है कि धान वैध रूप से खरीदा गया है या नहीं, मंडी कट्टी हुई है अथवा अवैध परिवहन किया जा रहा था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पेंडारी घाट पर ओवरलोड भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है, लेकिन न तो परिवहन विभाग सख्ती दिखा रहा है और न ही स्थायी सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ग्रामीणों ने घाट क्षेत्र में स्पीड कंट्रोल, ओवरलोडिंग पर सख्त कार्रवाई और चेतावनी संकेतक लगाने की मांग की है,ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

शिक्षक के मकान में आधी रात तीन हथियारबंद नकाबपोश ने बोला धावा

घर के लोगों को मारपीट कर मंगलसूत्र,सोने की टॉप्स तथा मोबाइल लूटकर ले गए आरोपी

-संवाददाता-

जशपुरनगर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। नकाबपोश बदमाशों के द्वारा जशपुर जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र के फुलेता चौक करमीटीकरा में निवासरत शिक्षक गुलाब सिंह जगत के निजी मकान में घटना दिनांक 26 दिसंबर की रात्रि करीबन 12.00 से 12.30 बजे के बीच मकान के पीछे के दरवाजे को तोडक़र लूट की घटना को अंजाम दिया गया है।

घटना के संबंध में पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना के वक्त घर में खुद शिक्षक गुलाब सिंह, उनकी पत्नी और दो बच्चे मौजूद थे। जब उनके द्वारा नकाबपोश लुटेरों का प्रतिरोध किया गया,तब नकाबपोशों ने उन पर चाकू से हमला भी किया गया और मंगलसूत्र, सोने की टॉप्स तथा मोबाइल फोन को लूटकर ले गए।

अज्ञात हमलावरों के चाकू के हमले से शिक्षक व उनके परिजनों को मामूली चोटें लगी है, जिनका पुलिस के द्वारा चिकित्सक से ईलाज कराया गया और शिक्षक की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले एफ आई दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जशपुर पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंच चुकी है और प्राथमिक जांच में मामले में तीन नकाबपोश आरोपियों की संलिप्तता उजागर हुई है। आरोपियों तक पहुंचने हेतु पुलिस की डॉग स्कॉड एव साइबर सेल की टीम की मदद भी ली जा रही है।

डिजिटल इंडिया की चोटी पर अटका सोनहत

छात्रवृत्ति के लिए पहाड़ चढ़ते बच्चे

5G के शोर में गुम वनांचल : नेटवर्क के लिए जंगल-पहाड़ों पर बैठा लोकसेवा केंद्र

एक डंडी सिग्नल,सौ सपने : सोनहत के बच्चे पहाड़ पर भर रहे भविष्य के फॉर्म

जहाँ नेटवर्क नहीं,वहाँ हौसला है : सोनहत के वनांचल में शिक्षा की जंग

ऑनलाइन सिस्टम,ऑफलाइन ज़िंदगी : सोनहत के बच्चों का डिजिटल संघर्ष

डिजिटल भारत बनाम वनांचल हकीकत : पहाड़ की चोटी पर अटका छात्रवृत्ति का अधिकार

सोनहत के वनांचल में नेटवर्क की खोज...छात्रवृत्ति के लिए जंगलों में ऊँचाई पर पहुँचा लोकसेवा केंद्र,साथ में पालक, शिक्षक और बच्चे

मुख्य चुनौतियाँ

सर्वर डाउनः नेटवर्क मिल भी जाए तो गति इतनी धीमी कि फॉर्म सबमिट नहीं होते।

दूरी का संकटः सिस्टम से फॉर्म भरने पर कई गांवों से सोनहत तक 960 किमी आना पड़ता है।

वाहन की कमीः बसें नहीं,निजी वाहन दुर्लभ; जर्जर सड़कें बच्चों के साथ यात्रा को जोखिमभरा बनाती हैं।

जोखिमःऊँचे पत्थरों पर बैठकर घंटों काम–हर कदम खतरे से भरा।

ऊँचाई पर सिग्नलः चुनिंदा पहाड़ियों पर ही एक-दो 'डंडे' नेटवर्क।

छात्रों का संघर्षः छात्रवृत्ति ही नहीं, परीक्षाओं/अन्य ऑनलाइन फॉर्म के लिए भी वही संघर्ष।

क्या कहते हैं लोग

नेटवर्क के बिना योजनाओं का लाभ नहीं मिलता–शासन ध्यान दे।'
जयचन्द सोनपाकर,कोरिया
जन सहयोग समिति

लगे टावर चालू हों–काम ठप्प है।
प्रकाश चंद साहू,अध्यक्ष, यूथ कांग्रेस

राशन की ई-केवाईसी से लेकर पैसे भेजने तक सब अटका।'
प्रफुल दत्त पाण्डेय,सोनहत

ग्रामीणों की माँग

प्रभावित गांवों में तुरंत मोबाइल टावर चालू किए जाएँ।
जहाँ टावर लगे हैं पर बंद हैं,उन्हें संचालित किया जाए।
एक ग्रामीण की बात–छात्रवृत्ति से कॉपी-पेन आते हैं। हम बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं,तकनीक आड़े आ रही है।

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जहाँ देश डिजिटल क्रांति और 5 प्रतिशत की सफलता का जश्न मना रहा है, वहीं छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र सोनहत से आई तस्वीरें व्यवस्था की सच्चाई बयान करती हैं। यहाँ नेटवर्क न होने के कारण छात्रों को छात्रवृत्ति के फॉर्म भरने के लिए किसी कमरे में नहीं, बल्कि ऊँचे पहाड़ों और घने जंगलों की खाक छाननी पड़ रही है।

भारत खुद को दुनिया की सबसे तेज़ डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में गिनाने लगा है, 5जी, ऑनलाइन सेवाएँ,डीबीटी और डिजिटल इंडिया के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं,लेकिन छत्तीसगढ़ के सोनहत वनांचल से आई तस्वीरें इन दावों पर करारा सवाल खड़ा करती हैं,यहाँ छात्रवृत्ति जैसे बुनियादी अधिकार के लिए बच्चों को स्कूल या लोकसेवा केंद्र नहीं,बल्कि जंगलों और पहाड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है, यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि शिक्षा को सशक्त बनाने वाली तकनीक,वनांचल के बच्चों के लिए सबसे बड़ी बाधा बन गई है, नेटवर्क न होने के कारण छात्र अपने फॉर्म समय पर नहीं भर पा रहे,ऐसे में शिक्षक और अभिभावक डिजिटल योद्धा बनकर बच्चों को ऊँचाई पर ले जा रहे हैं,जहाँ किसी तरह एक-दो डंडी नेटवर्क मिल जाए,यह दृश्य प्रेरक जरूर है, पर यह व्यवस्था की असफलता का जीवित प्रमाण भी है,सवाल यह है कि जिन इलाकों में बीएसएनएल और निजी कंपनियों के टावर खड़े हैं,वे सालों से बंद क्यों हैं? अगर टावर चालू नहीं करने थे,तो सरकारी धन खर्च कर उन्हें लगाने का औचित्य क्या था? नेटवर्क के बिना न केवल छात्रवृत्ति,बल्कि राशन की ई-केवाईसी,ऑनलाइन भुगतान,परीक्षाएँ और सरकारी योजनाएँ भी ठप्प पड़ी हैं, इसका सीधा असर सबसे गरीब और आदिवासी परिवारों पर पड़ रहा है,सरकार और प्रशासन को यह समझना होगा कि डिजिटल सेवा अब सुविधा नहीं, अधिकार बन चुकी है। ऑनलाइन सिस्टम लागू करने से पहले नेटवर्क की गारंटी देना शासन की जिम्मेदारी है। अन्यथा यह डिजिटल व्यवस्था,वनांचल के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के बजाय और दूर धकेल देगी,सोनहत के शिक्षक और अभिभावक आज जिस जज़्बे से बच्चों का भविष्य बचा रहे हैं,वह प्रशंसनीय है, लेकिन सवाल यह नहीं कि वे कब तक पहाड़ चढ़ेंगे सवाल यह है कि शासन कब तक नीचे बैठा रहेगा? डिजिटल इंडिया तभी सार्थक होगा, जब उसका सिग्नल पहाड़ की चोटी तक नहीं,बल्कि हर बच्चे के हाथ तक पहुँचे।

शिक्षा पर भारी पड़ती नेटवर्क की समस्या

सोनहत ब्लॉक के दूरस्थ गांवों में मोबाइल नेटवर्क आज भी सपना है। छात्रवृत्ति की अंतिम तिथि नजदीक है,पर गांवों में सिग्नल शून्य,बच्चों का साल खराब न हो इसी चिंता में शिक्षक एक नई भूमिका में दिखते हैं। अभिभावकों के साथ लोकसेवा केंद्र और छात्रों के समूह को उन ऊँचाइयों तक ले जाया जाता है,जहाँ कहीं-कहीं एक 'डंडी' भर नेटवर्क मिल जाता है।

खतरों के बीच 'ऑनलाइन' काम

पहाड़ों पर चढ़कर फॉर्म भरवाना आसान नहीं। जंगली जानवरों का डर, पथरीले रास्ते और मौसम की मार–इन सबके बीच शिक्षक, अभिभावक और छात्र घंटों लैपटॉप-मोबाइल लेकर सर्वर जुड़ने का इंतज़ार करते हैं।

ग्रामीणों और छात्रों की पीड़ा

छात्र बताते हैं कभी कई किलोमीटर चलना पड़ता है,कभी पहाड़ चढ़ना। खराब मौसम में नेटवर्क गायब–घंटों की मेहनत बेकार। हर फॉर्म के साथ अनिश्चितता।

अभिभावकों-शिक्षकों का जज़्बा,व्यवस्था पर सवाल

ग्रामीण मानते हैं अगर शिक्षक यह हिम्मत न दिखाएँ,तो सैकड़ों गरीब आदिवासी बच्चे योजनाओं से वंचित रह जाएँ। पहल की सराहना है, पर सवाल भी कब तक वनांचल के बच्चे ऐसे ही जूझते रहेंगे?

बीएसएनएल टावर लगे,पर चालू नहीं...

ग्रामीणों के अनुसार उधेनी, सिंघोर, उग्यव, सूक्तरा, मझगांवा, रेवला सहित कई गांवों में बीएसएनएल टावर लगे हैं, पर एक भी चालू नहीं, सवाल जब चालू नहीं करना था, तो लगाया क्यों? कबाड़' बनने का डर सिंघोर का टावर लंबे समय से यूँ ही खड़ा लोगों को आशंका, बाकी टावर भी ऐसे ही न रह जाएँ, जियो टावर भी 'शो-पीस' रामगढ़, तुर्रीपानी सहित कुछ गांवों में जियो टावर लगे पाँच साल हो गए, पर सेवा शुरू नहींलाभ शून्य।

खपरैल पर मोबाइल...पहाड़ पर कॉल...यही है डिजिटल इंडिया

नेटवर्क ढूंढने खपरैल पर लटकाया मोबाइल...बात करने चढ़ रहे पहाड़...

कोटगगहना स्थित मित्तल राइस मिल सील

कस्टम मिलिंग आदेश का किया गया उल्लंघन,धान उठाव के बाद चावल जमा नहीं करने पर मित्तल राइस मिल पर कार्रवाई

-संवाददाता-

बलरामपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। खाद्य एवं राजस्व विभाग के संयुक्त टीम के द्वारा विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कोटगगहना स्थित में. मित्तल राईस मिल की जांच की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर श्री देवेंद्र प्रधान सहित टीम मौजूद रही।

मौके पर जांच में मित्तल राईस मिल का मुख्म द्वार ताला बंद पाया गया। आस-पास में मिल से संबंधित किसी भी व्यक्ति को उपस्थित नहीं पाया गया। मिल के संचालक से दूरभाष से बात करने का प्रयास किया गया,किन्तु मिल संचालक द्वारा फोन रिसिव नहीं किया गया। खाद्य अधिकारी ने बताया कि मिल द्वारा खरीदी वर्ष 2024-25 में 3320 क्विंटल धान का उठाव किया गया है, जिसकी अनुपातिक चावल 2246.64 क्विंटल होता है,मिल द्वारा आज दिनांक तक जमा चावल की मात्रा निरंक है। इस प्रकार से राईस मिल द्वारा कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन करने के कारण मिल को सील करने की कार्यवाही की गयी।

मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में रिफर करने की शिकायत पर सम्बन्धितों पर होगी कार्रवाई

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं पर विशेष निगरानी रखी जाएःकलेक्टर

-संवाददाता-

अंबिकापुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुलभ बनाने निर्देशित करते हुए विभाग को अपने दायित्वों का ईमानदारी के साथ निर्वहन करने कहा। उन्होंने समीक्षा के दौरान कहा कि आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी. एस. मार्को, सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी,बीएमओ,डीपीएम,बीपीएम तथा सर्वसम्बन्धित उपस्थित रहे।

मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में रिफर करने की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धितों पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय चिकित्सालयों या स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों के द्वारा मरीजों को प्राइवेट चिकित्सालयों में रेफर करने की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धितों पर कार्रवाई की जाएगी। मरीजों को परेशानी ना हो,उन्हें भ्रमित ना करें, उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करें। उन्होंने नर्सिंग होम की व्यवस्था सुदृढ करने तथा नर्सिंग होम एक्ट के तहत अवैध क्लीनिकों पर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की ली गई जानकारी

कलेक्टर श्री वसंत ने जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण के लिए नियमित रूप से सर्विलेंस करें, साथ ही जांच के बाद पाए गए पॉजिटिव मरीजों का पूर्ण रूप से इलाज सुनिश्चित करें। लोगों को जागरूक करें, वेक्टर जनित बीमारियों के लक्षण एवं बचाव के तरीके भी बताए जाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय एवं सहयोग से राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण के लिए प्रभावी प्रयास किया जाए जिससे वेक्टर जनित बीमारियों पर नियंत्रण हो सके।

मातृत्व मृत्यु दर शून्य लाने का रहेगा प्रयास,हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं पर विशेष निगरानी रखी जाए

बैठक में कलेक्टर ने जिले में मातृत्व मृत्यु दर की जानकारी लेते हुए कहा कि मातृत्व मृत्यु दर शून्य करना हमारी प्राथमिकता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण आहार उपलब्ध कराना,गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच,आवश्यक दवाइयों,टीकाकरण आदि सुनिश्चित करें। शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए लोगों को प्रेरित करना होगा,इसमें मितानिन की भूमिका महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि पहुंचविहीन क्षेत्रों में गृह प्रसव को कम करना होगा। उन्होंने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी रखने निर्देशित किया तथा कहा कि मितानिन गर्भवती महिलाओं को जांच हेतु प्रोत्साहित करेंगे। जांच में चिन्हांकित पाए जाने पर सतत मॉनिटरिंग की जाए, सभी बीएमओ इस ओर गम्भीरता से कार्य करें। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रो में शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। जिले में नए एनआरसी बनाने हेतु हेतु स्थान चयन करें,ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

बंद कमरे से मिली बुज़ुर्ग महिला की लाश,बेटे ने 20 दिनों तक छिपाई मौत की बात

-संवाददाता-

जशपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के कुनकुरी में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। रेमते रोड इलाके में एक बंद कमरे से 65 साल की महिला की सड़ी-गली लाश मिलने से पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मकान मालिक दिलीप कुमार कुजूर ने जब मकान के फर्स्ट फ्लोर में किराए पर रहने वाली महिला के कमरे से तेज बदबू महसूस की, तो शक होने पर उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर कमरे का ताला तोड़कर अंदर का हाल देखा। वहां उन्हें महिला का शव पड़ा मिला।

मृतका की पहचान सबीना खलखो के रूप में हुई, जिनका पति पहले ही गुजर चुका था। सबीना की उम्र 65 साल थी और वे सराईटोली कस्तूरा,थाना दुलदुला की रहने वाली थीं। बताया जा रहा है कि सबीना अपने 25 साल के बेटे प्रवीण खलखो के साथ दिसंबर 2021 से इसी मकान में रह रही थीं। मामला और चौंकाने वाला इसलिए है क्योंकि बेटे ने पुलिस को बताया कि उनकी मां की तबीयत खराब थी और 6 दिसंबर को ही उनकी मौत हो चुकी थी, लेकिन उसने यह बात किसी को नहीं बताई। इसके बाद कमरे से बदबू आने पर मकान मालिक ने पुलिस को बुलाया।

प्रवीण खलखो को अविवाहित और आदतन शराबी बताया जा रहा है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह सिर्फ लापरवाही थी या फिर इसके पीछे कोई और वजह थी। स्थानीय लोग इस घटना से काफी हैरान हैं और पूछ रहे हैं कि कैसे किसी को महीनों तक इसकी जानकारी नहीं हुई। वहीं, छत्तीसगढ़ पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और हर संभावना को खंगाल रही है।

दो साल बाद मंच पर वापसी

माइक थामकर फिर सक्रिय हुई अंबिका

अब क्या सरकार के विरुद्ध होगी मुखर राजनीति?

किसानों पर मुखर, सत्ता पर चुप? क्या अंबिका सिंहदेव अब हर मोर्चे पर सरकार को घेरेंगी?

माइक तो पकड़ा,अब तेवर दिखेंगे? किसानों के बाद क्या सत्ता से टकराएंगी अंबिका सिंहदेव...

दो साल बाद सक्रियता,लेकिन सवाल कायम क्या अंबिका सिंहदेव निभा पाएंगी प्रभावी विपक्ष की भूमिका?

किसानों के मंच से सत्ता तक की दूरी कितनी? अंबिका सिंहदेव की वापसी पर राजनीतिक परीक्षा...

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। लगभग दो वर्षों के राजनीतिक सन्नाटे के बाद बैकुंठपुर की पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव एक बार फिर पार्टी मंचों पर सक्रिय दिखाई देने लगी हैं,कांग्रेस के कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी, माइक थामकर दिए जा रहे बयान और सामाजिक पारिवारिक आयोजनों में भागीदारी ने स्थानीय राजनीति में हलचल बढ़ा दी है, स्वाभाविक है कि सवाल उठ रहा है क्या अब वे वर्तमान प्रदेश सरकार के विरुद्ध खुलकर मुखर होंगी? क्या विपक्ष का स्वर मंचों से तेज़ होगा?

अपने विधानसभा में वर्तमान विधायक को क्या घेर पाएंगी?

पूर्व विधायक के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं बैकुंठपुर के वर्तमान विधायक,वर्तमान विधायक की जनता के बीच नजदीकी और उनसे जुड़ाव पूर्व विधायक के लिए एक कठिन चुनौती होगी,पूर्व विधायक क्या विधायक को क्षेत्रीय मुद्दों पर घेर पाएगी,क्या वह विधायक की कमियां ढूंढकर उससे जनता को अवगत करा पाएंगी,पूर्व विधायक के लिए आसान भी नहीं लेकिन उन्हें यह काम करना होगा तभी वह भविष्य में भाजपा को चुनौती दे पाएगी।

जो कांग्रेसी इन से रूस्ट हैं उन्हें क्या एक मंच पर एक साथ ला पाएंगी?

पूर्व विधायक के लिए क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या है उनकी ही पार्टी के लोगों से उनकी दूरी,पूर्व विधायक क्षेत्र में दो साल बाद सक्रीय जरूर हुई हैं लेकिन उनकी अपने ही पार्टी के लोगों से दूरी पूर्व की तरह कायम है,उन्हें इस चुनौती को दूर करना होगा,उन्हें पार्टी के लोगों को एकजुट करना होगा,क्या वह ऐसा कर पाएगी?बिना पार्टी को एकजुट अपने पक्ष में किए वह न बेहतर विपक्ष की भूमिका निभा सकेंगी न ही वह अपने लिए अगली पारी ही तय कर सकेंगी।

क्या हार के बाद कुछ सीख ली है या फिर टिकट लाने तक ही यह परिवर्तन है?

पूर्व विधायक की हार क्यों हुई,हार भी बहुत बड़ी थी,जिसकी क्या उन्होंने समीक्षा की,यह पूर्व विधायक के लिए अत्यन्त अनिवार्य समीक्षा खुद के लिए होनी चाहिए,क्षेत्र में दो वर्ष पश्चात उनकी वापसी उनकी भले ही राजनीतिक वापसी है, विपक्ष की भूमिका के लिए वापसी है लेकिन यदि वह बिना अपनी हार की समीक्षा आगे बढ़ रही हैं तो यह क्या केवल टिकट प्राप्ति के लिए दर्शाई जा रही सक्रियता है यह सवाल खड़ा होता है।

क्या अब विपक्ष की भूमिका अच्छे से निभाएंगी?

विपक्ष का काम होता है कि वह सरकार को हमेशा जनता के हित में कार्य करने दबाव महसूस कराए,दो वर्षों में कांग्रेस का विरोध उस स्तर का नजर नहीं आया जिससे सरकार विपक्ष से परेशान नजर आए,उनके सवालों से भागती नजर आए,बैकुंठपुर में भी हाल वैसा ही है जैसा हर जगह विपक्ष का विरोध सरकार के लिए कोई चुनौती नहीं खड़ी कर पा रहा है,अब पूर्व विधायक बैकुंठपुर क्या विपक्ष की भूमिका का बेहतर निर्वहन करते हुए सरकार के लिए दिक्कतें खड़ी करेंगी,क्या वह मुखरता से जनता की मांग समस्याओं के लिए लड़ती नजर आयेंगी यह बड़ा सवाल है।

जीत,पराजय और लंबा अंतराल

अंबिका सिंहदेव ने 2018 में जीत दर्ज कर तत्कालीन मंत्री भईयालाल राजवाड़े को पराजित किया था। जनता के भरोसे के साथ शुरू हुआ कार्यकाल 2023 में बड़ी पराजय पर समाप्त हुआ। हार के बाद वे लंबे समय तक क्षेत्रीय राजनीति से दूरी बनाए रहीं जिसका असर कांग्रेस की जमीनी सक्रियता पर भी दिखा। विपक्ष होने के बावजूद विधानसभा क्षेत्र में सरकार के विरुद्ध वह तीखापन नहीं दिखा, जिसकी अपेक्षा की जाती है।

गिरजापुर से उठा स्वरः धान खरीदी पर सीधा हमला

अब वापसी के साथ ही अंबिका सिंहदेव के तेवर बदले हुए नज़र आए, कोरिया जिले के गिरजापुर धान खरीदी केंद्र के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने सरकार और प्रशासन को घेरा, उनका कहना था कि अगर किसान धरने पर न बैठे तो न रकबा बढ़ता है,न समस्या सुलझती है इसलिए लड़ाई लड़नी पड़ती है, उन्होंने जामपार का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि धान खरीदी की रफ्तार जानबूझकर धीमी रखी गई,ताकि किसानों का ध्यान भटके और सूखे धान की खरीद आसान हो,गिरदावली थर्ड पार्टी एनजीओ को सौंपने पर सवाल उठाते हुए पूछा जब आरआई,पटवारी और तहसीलदार हैं,तो बिचौलियों की ज़रूरत क्यों?

ऑनलाइन टोकन और 'गोल-गोल' घूमता किसान

ऑनलाइन टोकन व्यवस्था पर भी उन्होंने तंज कसा जब किसान ऑनलाइन टोकन काटने में सक्षम नहीं हैं, तो ऐसे नियम क्यों? उनका आरोप था कि नई व्यवस्थाओं ने किसानों को तहसीलदारङ्कपटवारी के बीच चक्कर काटने को मजबूर कर दिया है।

राजनीतिक विरोधाभास भी चर्चा में...मंच से उठे इन सवालों के बीच एक विरोधाभास पर भी चर्चा रही,किसानों की मजदूरी/राशि हमाली राशी को लेकर जो बातें आज भाजपा सरकार पर आरोप के रूप में रखी जा रही हैं, वही व्यवस्थाएं पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन में भी थीं तब इन पर उतनी मुखरता नहीं दिखी, इसी बिंदु पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने तंज भी कसा।

आगे की राह...

अंबिका सिंहदेव की सक्रियता ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उम्मीद जगाई है कि अब विपक्ष का स्वर तेज़ होगा,सवाल यही है क्या यह वापसी निरंतर और संगठित विरोध में बदलेगी या यह सिर्फ़ मंचीय बयानबाज़ी तक सीमित रहेगी? आने वाले महीनों में उनके बयानों की धार और संगठन की जमीन पर सक्रियता ही इसका जवाब देगी।

क्या जिस प्रकार किसानों के मुद्दे पर उन्होंने माइक पकड़ा क्या उसी प्रकार सत्ता के खिलाफ मुखर होंगी?

हाल में पूर्व विधायक अंबिका सिंहदेव किसानों के मुद्दे पर आयोजित एक पार्टी सभा में माइक पकड़ी नजर आई,किसानों का मुद्दा था उन्होंने अपनी बात रखी और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई,अब सवाल यह है कि क्या वह अब सभी मुद्दों पर सरकार को घेरती नजर आएंगी,विपक्ष की भूमिका में उनका अगला प्रदर्शन यह तय करेगा कि वह सरकार को घेरने में कितनी मुखर नजर आती हैं,वैसे दो वर्षों उपरांत उनकी सक्रियता तब से ज्यादा नजर आ रही है जबसे कांग्रेस जिलाध्यक्ष की घोषणा हुई है।

वीर बाल दिवस पर रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

रक्तदान जीवनदान है,महादान है...सभी की सहभागिता आवश्यकः कलेक्टर चंदन त्रिपाठी

-संवाददाता-

कोरिया,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। वीर बाल दिवस के अवसर पर मानस भवन, बैकुंठपुर में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया,यह कार्यक्रम कोरिया कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के निर्देश तथा डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ,शिविर का आयोजन रेड क्रॉस सोसायटी बैकुंठपुर, महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया,शिविर के दौरान नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और कुल 30 यूनिट रक्तदान संपन्न हुआ, इसके साथ ही सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का डेमो व प्रशिक्षण भी दिया गया। रक्तदान करने वाले दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने कहा कि वीर बाल दिवस उन वीर बालकों को स्मरण करने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर है, जिन्होंने धर्म, सत्य और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का

बलिदान दिया। यह दिवस सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों साहिबजादा जोरावर सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को नमन करने के लिए समर्पित है, उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दिखाया गया उनका साहस आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश देती है।

कलेक्टर ने कहा कि मानस भवन में आयोजित रक्तदान शिविर जैसे मानवहित से जुड़े आयोजन समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, रक्तदान न केवल किसी एक व्यक्ति का जीवन बचाता है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा की किरण बनता है, रक्तदाता सदैव समाज में सम्मान के पात्र होते हैं, उन्होंने नागरिकों से रक्तदान को जीवनदान और महादान बताते हुए इसमें सक्रिय सहभागिता की अपील की। रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्य शैलेन्द्र शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मानवीय संवेदनाओं,सहयोग और सेवा-भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान में जाति, धर्म, रंग-रूप या आर्थिक स्थिति नहीं, केवल ब्लड ग्रूप मायने रखता है, यही मानव सेवा का सबसे बड़ा कर्तव्य है।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर की अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती स्नेहलता सिंह गोड़, श्रीमती गीता राजवाड़े,जनपद पंचायत बैकुंठपुर के अध्यक्ष श्री उदय सिंह,विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों में अपर कलेक्टर श्री सुरेंद्र प्रसाद वैद्य,रेड क्रॉस सोसायटी कोरिया के चेयरमैन श्री महेंद्र वेद,वाइस चेयरमैन श्रीमती गीता राजवाड़े,कोषाध्यक्ष श्री जितेंद्र गुप्ता सहित सदस्य श्री शैलेंद्र शर्मा, श्री गौरव कांत बडेरिया, श्री प्रशांत गुप्ता, श्री हिमांशु अवस्थी,श्री शैलेश शिवहरे,श्री आशीष बड़ेरिया,श्री बसंत राय एवं श्री सुधीर अग्रवाल उपस्थित रहे। जिला अस्पताल से सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आयुष जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम तथा स्कूल व महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सुशासन दिवस का आयोजन

अटल परिसर में विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में निकाय योजनाओं का विशेष शिविर

-संवाददाता-

सूरजपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर नगरपालिका परिषद सूरजपुर द्वारा निर्मित अटल परिसर में सुशासन दिवस के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका से संबंधित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का विशेष कैंप भी लगाया गया, जिससे आम नागरिकों को योजनाओं की जानकारी और लाभ सीधे प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमनगर विधानसभा के विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति में सुशासन, राष्ट्रहित और संवेदनशील नेतृत्व के प्रतीक थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम है।

सुशासन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि शासन तभी सार्थक होता...

विधायक मरावी ने कहा कि सुशासन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि शासन तभी सार्थक होता है,जब वह पारदर्शी,जवाबदेह और आमजन के कल्याण के लिए समर्पित हो,उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अटल जी की विचारधारा पर चलते हुए संवेदनशील और जनहितकारी सुशासन को और अधिक सशक्त बना रही है,महिला,बच्चों,दिव्यांगजनों,वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के कमजोर वर्गों के लिए संचालित योजनाएं अटल जी के विचारों को धरातल पर उतारने का प्रयास हैं।

हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरण

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, इसके साथ ही विभिन्न निकाय योजनाओं से संबंधित जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों का पंजीयन भी किया गया।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति

इस अवसर पर मुरली मनोहर सोनी (भाजपा जिलाध्यक्ष),बाबुलाल अग्रवाल (पूर्व जिला अध्यक्ष),शशिकांत गर्ग, संत सिंह, संदीप अग्रवाल,राजेश्वर तिवारी, किरण खेस,प्रमोद तायल,संजू सोनी,अजय सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन नगरपालिका उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन पार्षद मुकेश गर्ग द्वारा किया गया,जबकि आभार प्रदर्शन नगरपालिका सीएमओ प्रभाकर शुक्ला ने किया, समग्र रूप से, अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम सुशासन,जनसेवा और पारदर्शी प्रशासन के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बना।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202512020700072

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

झुमरपारा (प ह न. 00027),
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार - कमला बाई.
अनावेदक पक्षकार-कमला बाई यादव,प्रदीप यादव,कलावती यादव, रजनी यादव सनमेत बाई यादव, कोमल,जयंत कुमार यादव,इंद्रमोहन राम,किशोर,अशोक कमलेश,कदमवती देवमुनिया,हेमलता,हर्षित,प्रमिला.

ईश्तहार

आवेदिका कमला बाई पत्नी स्वः मनमोहन व अन्य निवासी ग्राम झूमरपारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम झुमरपारा स्थित कुल खसरा नंबर 08 कुल रकबा 1.821 है0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत खातेदार केशव, किशोर, हेमलता का नाम विलोपित कर अनावेदक क्रमांक 06 से 15 के नाम पर फोती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07-01-2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/12/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

राजनीतिक सीमाओं से ऊपर मानवीय पहल

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष की माताजी का हालचाल जानने एम्स पहुंचे विधायक भईयालाल राजवाड़े

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
राजनीति से अलग एक मानवीय तस्वीर उस समय सामने आई,जब बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े रायपुर स्थित एम्स रायपुर पहुंचे और कांग्रेस पार्टी के बैकुंठपुर ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह की अस्वस्थ माताजी का हालचाल जाना। विधायक ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, राजनीतिक मतभेदों से परे जाकर दिखाई गई यह मानवीय संवेदना बैकुंठपुर की राजनीति में एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखी जा रही है जहां संवेदना, सेवा और सामाजिक सरोकार पार्टी सीमाओं से ऊपर नजर आए।

रायपुर में रहकर भी क्षेत्र से जुड़ाव

गौरतलब है कि विधायक भईयालाल राजवाड़े स्वयं इन दिनों रायपुर में रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इसके बावजूद क्षेत्र के लोगों से उनका जुड़ाव बना हुआ है। इसी क्रम में वे एम्स अस्पताल पहुंचे और कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष की माताजी से मुलाकात कर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया।

एम्स में चल रहा इलाज...बेटे कर रहे देखरेख

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह की माताजी वर्तमान में अस्वस्थ हैं और उनका इलाज रायपुर एम्स अस्पताल में जारी है। अजय सिंह कई दिनों से रायपुर में ही रहकर अपनी माताजी की देखरेख कर रहे हैं। इस कठिन समय में विधायक की यह मुलाकात परिवार के लिए संबल मानी जा रही है।

सोशल मीडिया के माध्यम से दी जानकारी

विधायक भईयालाल राजवाड़े ने स्वयं इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की। पोस्ट में उन्होंने शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना व्यक्त की,जिसे विभिन्न वर्गों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

कांग्रेस नेतृत्व की गैरमौजूदगी बनी चर्चा का विषय

इस घटनाक्रम के बाद एक राजनीतिक चर्चा भी तेज हो गई। जहां भाजपा विधायक एक कांग्रेस नेता के परिवारजन का हालचाल जानने पहुंचे,वहीं कांग्रेस के जिला या प्रदेश स्तर के किसी नेता की एम्स में उपस्थिति नजर नहीं आई। यह स्थिति स्थानीय राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

'इलाज वाले बाबा' की छवि फिर हुई मजबूत

भईयालाल राजवाड़े अपने पहले कार्यकाल से ही क्षेत्र में इलाज वाले बाबा के नाम से पहचाने जाते रहे हैं। जनता की चिकित्सा संबंधी जरूरतों और उनके स्वास्थ्य की चिंता को लेकर उनकी सक्रियता पहले भी सामने आती रही है। एम्स अस्पताल में की गई यह मुलाकात भी उसी छवि को और मजबूत करती दिखाई दी।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

उमेश्वरपुर में प्रशासन पहुँचा जनता के द्वार,135 आवेदन प्राप्त,28 का मौके पर निराकरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
सुशासन सप्ताह के अंतर्गत जिले के प्रेमनगर जनपद के ग्राम उमेश्वरपुर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया,शिविर का आयोजन भूलन सिंह मरावी, विधायक प्रेमनगर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ,शिविर में जयवर्धन कलेक्टर एवं विजेंद्र सिंह पाटले, जिला पंचायत सीईओ ने आमजन से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएँ एवं शिकायतें सुनीं। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा शासन की योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

शिविर में कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 129 मांगें एवं 06 शिकायतें शामिल थीं। इनमें से 28 आवेदनों का मौके पर समाधान कर दिया गया। शेष आवेदनों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए, कलेक्टर जयवर्धन ने ग्रामीणों से अपील की कि वे ऐसे शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ और अपनी समस्याएँ सीधे अधिकारियों के समक्ष रखें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएगा।

अटल जयंती के अवसर पर आयोजन

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि यह आयोजन स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मजयंती के अवसर पर किया गया है,उन्होंने बताया कि क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु कई सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है,जिससे शीघ्र ही आवागमन की समस्या का समाधान होगा,उन्होंने यह भी जानकारी दी कि तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत 14 जनवरी को रामलला दर्शन हेतु ट्रेन सूरजपुर से रवाना होगी,जिसके लिए हितग्राही जनपद कार्यालय में पंजीयन करा सकते हैं।

स्वास्थ्य, कृषि और सामाजिक जागरूकता पर जोर

कलेक्टर जयवर्धन ने स्वास्थ्य योजनाओं पर विशेष जोर देते हुए आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवाकर शासन की स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने टीबी,सिकल सेल एवं कुष्ठ जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच कराने का आग्रह किया, साथ ही केसीसी,पीएम किसान योजना,सॉइल हेल्थ कार्ड के लाभों की जानकारी देते हुए किसानों को इन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी बताई गई।

वन,पुलिस और अन्य विभागों की सहभागिता

शिविर में डी.एल. साहू,डीएफओ ने वन विभाग की योजनाओं की जानकारी दी और हाथी विचरण क्षेत्रों में सतर्क रहने की अपील की,वहीं पुलिस विभाग ने साइबर फ्रॉड से बचाव,यातायात नियमों के पालन, दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट एवं चारपहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट अनिवार्यता पर जागरूक किया।

सामाजिक संस्कार और सामग्री वितरण

कार्यक्रम के दौरान अन्नप्राशन एवं गोदभराई संस्कार का आयोजन किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा सामग्री वितरण किया गया मछली पालन विभाग- जाल वितरण,स्वास्थ्य विभाग वय वंदन कार्ड,कृषि विभाग सरसों बीज वितरण शिविर में जनपद अध्यक्ष,जनपद सदस्य,सरपंच,जिले के समस्त अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नए साल का जश्न प्रकृति की गोद में मयाली नेचर कैम्प में पर्यटक ले सकेंगे रोमांच,सुकून और साहसिक अनुभव

01 जनवरी को होगा एटीवी राइडिंग,स्पीड बोटिंग, कायकिंग व क्रिकेट के साथ इको-टूरिज़्म का अनूठा उत्सव

-संवाददाता-
जशपुरनगर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

नववर्ष 01 जनवरी 2026 के पावन अवसर पर जशपुर वनमण्डल द्वारा मयाली नेचर कैम्प में पर्यटकों के लिए रोमांचक एडवेंचर एवं इको-टूरिज़्म गतिविधियों का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन वन विभाग द्वारा वन प्रबंधन समितियों के सहयोग से किया जा रहा है,जिसका उद्देश्य पर्यटकों को सुरक्षित,पर्यावरण-अनुकूल तथा प्रकृति के बीच यादगार अनुभव प्रदान करना है। घने वनों,शांत जलाशय और हरियाली से आच्छादित मयाली नेचर कैम्प में इस नववर्ष पर साहसिक गतिविधियों की विशेष श्रृंखला तैयार की गई है। यहाँ आने वाले पर्यटक स्पीड बोटिंग, कायकिंग,एटीवी राइडिंग तथा क्रिकेट जैसी रोमांचक गतिविधियों का आनंद उठा सकेंगे। इन सभी गतिविधियों के लिए नाममात्र शुल्क मात्र 100 रुपये प्रति गतिविधि निर्धारित किया गया है, जिससे अधिक से अधिक लोग इस आयोजन का हिस्सा बन सकें। वनमण्डलाधिकारी जशपुर वन मंडल श्री शशि कुमार ने बताया कि सभी गतिविधियाँ प्रशिक्षित कर्मियों की निगरानी में एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के साथ संचालित की जाएंगी। इससे पर्यटकों को न केवल रोमांच का अनुभव मिलेगा,बल्कि वे पूरी तरह सुरक्षित माहौल में प्रकृति के करीब समय भी बिता सकेंगे। मयाली नेचर कैम्प का यह आयोजन इको-टूरिज़्म को बढ़ावा देने, स्थानीय वन समितियों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा जिले के पर्यटन को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो नए साल का स्वागत प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सुकून के संग करना चाहते हैं। वन विभाग जशपुर द्वारा सभी नागरिकों एवं पर्यटकों से अपील की गई है कि वे नववर्ष के अवसर पर अपने परिवार एवं मित्रों के साथ मयाली नेचर कैंप में पधारें। इन आकर्षक गतिविधियों का भरपूर आनंद लें तथा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें।
स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़,
मो.नं. - 9340154656, 98265-32611

'वीर बाल दिवस' पर जिले के समस्त विद्यालयों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

बाल वीरों के शौर्य को नमन,विद्यार्थियों में साहस और राष्ट्रभक्ति का संचार

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
वीर बाल दिवस के अवसर पर लोक शिक्षण संचालनालय,छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विविध शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू के मार्गदर्शन में किया गया, इस अवसर पर विद्यालयों में नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का लाईव प्रसारण किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता, चित्रकारी, निबंध लेखन, कहानी सुनाना जैसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में साहस, दयालुता,राष्ट्रभक्ति,नैतिक मूल्यों का विकास करना और बाल वीरों के शौर्य व पराक्रम से प्रेरणा दिलाना रहा, विद्यालयों के प्राचार्य,प्रधान पाठक, शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता से वीर बाल दिवस का यह आयोजन गरिमापूर्ण एवं प्रेरणादायी रूप से सम्पन्न हुआ।

बाल साहस और बलिदान की अमर गाथा

वीर बाल दिवस का आयोजन सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के अतुलनीय बलिदान की स्मृति में किया जाता है। मात्र 9 और 6 वर्ष की अल्पायु में दिए गए उनके बलिदान को स्मरण कर विद्यार्थियों को साहस, सत्य,धर्म और राष्ट्रप्रेम के मूल्यों से अवगत कराया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम-

जिला स्तरीय कार्यक्रम सेजेस नवापारा, सूरजपुर में आयोजित किया गया,जहाँ सहायक संचालक शिक्षा रविन्द्र सिंहदेव,वीर बाल दिवस के जिला नोडल सुरविन्द कुमार गुर्जर, विकासखण्ड स्रोत समन्वयक मनोज कुमार मण्डल, सेजेस प्राचार्य मनोज कुमार झा,शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के उद्बोधन का लाईव प्रसारण एवं विविध गतिविधियाँ गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई।

शैक्षणिक सहभागिता और अभिभावक जुड़ाव

जिले के विद्यालयों में वीर बाल दिवस के अवसर पर अंगना म शिक्षा से जुड़ी माताओं, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, पालकों एवं विद्यार्थियों को आमंत्रित कर परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत पंजीयन भी कराया गया। इससे विद्यालय-समुदाय सहभागिता को मजबूती मिली।

प्रभास की 'द राजा साब' में मालविका मोहनन की एंट्री

प्रभास की आगामी हॉरर फैंटेसी फिल्म द राजा साब दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर रही है। फिल्म में निधि अग्रवाल मुख्य भूमिका में हैं, और अब मालविका मोहनन भी भैरवी के रहस्यमयी और दमदार किरदार में शामिल हो गई हैं। मालविका का पोस्टर भी जारी किया गया है, जो उनके स्टाइलिश और खतरनाक आकर्षण को दर्शाता है। प्रभास की फिल्म द राजा साब को लेकर दर्शकों में खास उत्साह है। फिल्म में एक्टर के अपोजिट निधि अग्रवाल नजर आएंगी। हाल ही में इसका एक गाना बेंगलुरु के एक मॉल में लॉन्च किया गया था जहां निधि फैंस की भारी भीड़ में फंस गई थीं।

फैंस ने जताई खुशी

अब मेकर्स धीरे-धीरे बची हुई कास्ट से भी पर्दा उठा रहे हैं। द राजा साब में आधिकारिक तौर पर मालविका मोहनन की एंट्री हो गई है। मालविका फिल्म में भैरवी का किरदार निभाएंगी। इस अनाउंसमेंट ने फिल्म के प्रमोशन में एक बड़ा ट्विस्ट जोड़ दिया है। भैरवी को एक रहस्यमयी, स्टाइलिश और दमदार शख्सियत के रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे फिल्म की कहानी के प्रति जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। इंडिया की सबसे बड़ी आने वाली हॉरर फैंटेसी कही जा रही इस फिल्म के लिए यह अनाउंसमेंट नया रोमांच लाएगी।

ब्लैक साड़ी में नजर आई मालविका

इसका एक पोस्टर भी जारी कर दिया गया है जिसमें मालविका ब्लैक कलर की साड़ी, स्टेटमेंट ब्लाउज, लेयर्ड ब्रेसलेट्स, टेक्सचर्ड हैंडबैग और सनग्लासेस को स्टाइल के साथ उठाते हुए नजर आ रही हैं। उनकी शांत भरी नजरें और आत्मविश्वासी अंदाज एक साथ एलीगेंस और खतरनाक आकर्षण दोनों को बखूबी दिखा रहा है। पीछे दिखता सूना सा कॉरिडोर माहौल को और भूतिया बनाता है और साफ दिखाता है कि भैरवी फिल्म के रहस्य में एक बेहद अहम किरदार है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

गानों और ट्रेलर को मिल रही जोरदार दर्शक प्रतिक्रिया के बाद द राजा साब लगातार जबरदस्त गति पकड़ रहा है। मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित द राजा साब,पीपल मीडिया फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म में प्रभास, संजय दत्त, बोमन ईरानी, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और ऋद्धि कुमार नजर आएंगे। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 9 जनवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सारा अली खान की नजर में कौन है स्ट्रॉन्ग वुमन?

महिला की स्वतंत्रता पर क्या बोल गई एक्ट्रेस

सारा अली खान ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर अपनी परवरिश, महिला सशक्तिकरण और विशेषाधिकार पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उनकी मां अमृता सिंह ने उन्हें अकेले पाला,जिससे समाज में महिलाओं की भूमिका के प्रति उनका नजरिया गहरा हुआ।

सारा अली खान अभिनेता सैफ अली खान और उनकी पहली पत्नी अमृता सिंह की बेटी हैं। एक्ट्रेस इस बात पर अक्सर बात करती हैं कि उनकी मां ने उन्हें काफी हद तक अकेले पाला पोसकर बड़ा किया है। सैफ और अमृता साल 2004 में अलग हो गए थे जिसके कुछ साल बाद एक्टर ने करीना कपूर से शादी कर ली थी।

अमृता ने दोनों बच्चों को अकेले पाला

अब हाल ही में एक पॉडकास्ट में सारा ने अपनी ताकत, वुमनहुड और विशेषाधिकार के बारे में खुलकर बात की। सारा जब 9 साल की थीं तब अमृता और सैफ अलग हो गए थे तब उनके छोटे भाई इब्राहिम और सारा को अमृता ने अकेले ही पाला। सारा ने माना कि इस परवरिश ने उनका दुनिया को देखने का नजरिया ही बदल दिया। इसने खासकर समाज में महिलाओं की भूमिका और आवाज को,गहराई से प्रभावित किया है। सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर बातचीत करते हुए सारा ने एक सशक्त महिला की अपनी परिभाषा शेयर की। उन्होंने कहा,मेरे लिए, एक सशक्त महिला वह है जो अपनी बात कहने से नहीं डरती। उन्होंने आगे कहा,आज समाज विकसित हो चुका है और महिलाएं अधिक स्वतंत्र हो गई हैं,लेकिन मुझे लगता है कि इसकी शुरुआत भीतर से होती है। खुद को सशक्त बनाने की क्षमता,अपने विश्वासों के लिए खड़े होने की क्षमता और अपने हक के लिए आवाज उठाने की क्षमता - यही असली ताकत है।

मुझे अपनी बात कहने का अधिकार मिला

अपने पालन-पोषण पर विचार करते हुए,सारा अली खान ने अपने विशेषाधिकार को स्वीकार किया। उन्होंने कहा,मुझे हमेशा अपनी बात कहने का अधिकार मिला है। मुझे कभी खुद को चुप नहीं कराना पड़ा। घर में बड़े होते समय भी, सवालों और विचारों का हमेशा स्वागत किया जाता था। मैं नहीं जानती कि आवाज न होने का क्या मतलब होता है। यह हर किसी को नहीं मिलता,और उन लोगों को सलाम जो ऐसी दुनिया में रहते हैं जो हमेशा उनका साथ नहीं देती।

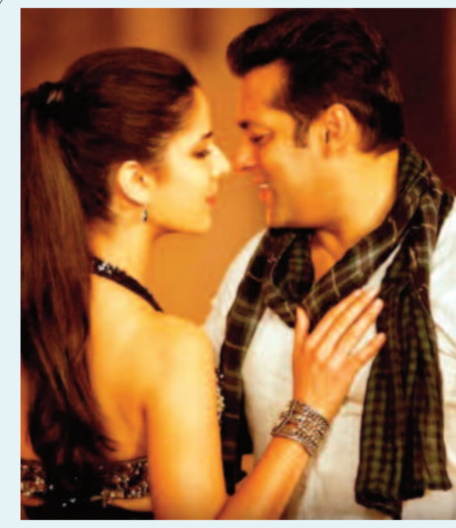

60 के हुए भाईजान

कैटरीना से लेकर चिरंजीवी तक,एक्टर्स ने खास अंदाज में सल्लू को किया विश

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपना 60वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर कैटरीना कैफ,करीना कपूर खान,संजय दत्त,अनिल कपूर, काजोल,अजय देवगन और चिरंजीवी सहित कई फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। सभी ने सलमान को प्यार, अच्छी सेहत और सफलता की दुआ दी।

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान शनिवार को 60 साल के हो गए। इस खास मौके पर कैटरीना कैफ, करीना कपूर खान,संजय दत्त और अन्य कई बॉलीवुड हस्तियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

कैटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, टाइगर टाइगर टाइगर....आपको 60वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं...आपका हर दिन प्यार और रोशनी से भरा रहे।

करीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जन्मदिन की शुभकामना देते हुए लिखा,एकमात्र टाइगर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। 60 साल पूरे... हमेशा ढेर सारा प्यार।

संजय दत्त ने ट्वीट किया,भाईजान,जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं और ढेर सारा प्यार। भगवान आपको आशीर्वाद दें,आपको स्वास्थ्य और सफलता प्रदान करें।

अनिल कपूर ने सलमान के साथ कई तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा,हमारी दोस्ती हमेशा से ही सरल रही है... कभी-कभी हम किसी फिल्म में साथ काम करते हुए ज्यादा मिलते हैं,और कभी-कभी तब भी जब हम साथ काम नहीं कर रहे होते। लेकिन प्यार और बंधन हमेशा एक जैसा ही रहा है। मैं दिल से चाहता हूं कि यह दोस्ती, यह आत्मीयता जो हम साझा करते हैं, हमेशा बनी रहे। 60 के दशक में आपका स्वागत है,मेरे दोस्त।

सलमान की प्यार किया तो डरना क्या की को-एक्ट्रेस काजोल ने ट्वीट किया,एकमात्र सलमान को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! अजय देवगन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा,सबका भाई, सबकी जान... पेश है एक और दमदार साल! जन्मदिन मुबारक हो

तेलुगु स्टार चिरंजीवी ने ट्वीट किया,मेरे प्यारे भाई 60वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं सल्लू भाई, इस खास मौके पर मैं आपको दिल से शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह साल आपके लिए अनंत खुशियां,अच्छा स्वास्थ्य और वह सारा प्यार लेकर आए जिसके आप हकदार हैं। आप हमेशा से प्रेरणा रहे हैं,न सिर्फ पर्दे पर लाखों लोगों के लिए,बल्कि हम जैसे उन लोगों के लिए भी जो आपको अपना दोस्त कहने का सौभाग्य रखते हैं। आने वाले कई सालों तक खुशियों और सफलता की कामना करते हैं। अपने खास दिन का आनंद लें।

अजय देवगन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सबका भाई, सबकी जान... पेश है एक और दमदार साल! जन्मदिन मुबारक हो

खेल समाचार

शुभम जगलान और युवराज संधू टाटा ओपन गोल्फ में हैं बराबरी पर

जमशेदपुर,27 दिसम्बर 2025। जमशेदपुर के बेल्डीह और गोलमुरी गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे 2 करोड़ रुपये के इवेंट और पीजीटीआई के सीजन-फिनाले, टाटा ओपन 2025 के फाइनल राउंड से पहले शुभम जगलान और युवराज संधू बराबरी पर थे। 21 साल के शुभम जगलान (68-66-65), जो इस साल की शुरुआत में प्रोफेशनल बने थे और पीजीटीआई में अपना तीसरा इवेंट खेल रहे हैं, ने तीसरे दिन शानदार और बिना किसी गलती के छह-अंडर 65 का स्कोर बनाया और एक स्थान ऊपर चढ़कर 14-अंडर 199 के साथ संयुक्त बढ़त बना ली। गुरुग्राम के रहने वाले शुभम, जो पिछले महीने चंडीगढ़ में अपने पीजीटीआई डेब्यू में रनर-अप रहे थे, अब इस टूर पर अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। युवराज संधू (67-64-68), जो आधे रास्ते तक तीन शॉट की बढ़त बनाए हुए थे, ने तीसरे राउंड में तीन-अंडर 68 का स्कोर किया और दिन के अंत में 14-अंडर 199 के साथ बढ़त पर बराबरी पर रहे। चंडीगढ़ के रहने वाले युवराज,जिन्होंने इस साल पीजीटीआई में छह खिताब जीते हैं, पहले ही 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट का ताज जीत चुके हैं और इस तरह अगले साल के लिए डीपी वर्ल्ड टूर में अपनी जगह पक्की कर ली है। संधू अब एक ही सीजन में पीजीटीआई में रिकॉर्ड सातवें खिताब की तलाश में हैं।

टॉप दो खिलाड़ियो और बाकी खिलाड़ियों के बीच काफी अंतर है,क्योंकि वीर अहलावत (65), खलिन जोशी (68), और एन. थंगाराजा (68) की तिकड़ी संयुक्त लीडर्स से पांच शॉट पीछे नौ-अंडर 204 के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है। पहले और दूसरे राउंड में, आधे खिलाड़ियों ने अपने 18 होल बेल्डीह गोल्फ क्लब में खेले,जबकि बाकी आधे खिलाड़ियों ने अपने 18 होल गोलमुरी गोल्फ क्लब में खेले। तीसरे और चौथे राउंड में, लीडिंग ग्रुप अपने फ्रंट-नाइन गोलमुरी में खेलते हैं और फिर अपने बैक-नाइन खेलने के लिए बेल्डीह जाते हैं। गोलमुरी और बेल्डीह को मिलाकर पार 71 है।

जीत के साथ ढाका कैपिटल्स के अभियान की शुरुआत

सिलहट,27 दिसम्बर 2025। ढाका कैपिटल्स ने सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) 2025-26 के तीसरे मुकाबले को जीता। इस टीम ने शनिवार को राजशाही वॉरियर्स के विरुद्ध 5 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अपना खाता खोला।

हालांकि, इस मुकाबले से ठीक पहले ढाका कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा। टीम के असिस्टेंट कोच महबूब अली जकी मुकाबला शुरू होने से चंद मिनट पहले मैदान पर गिर गए, जिसके बाद अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस दुखद घटना के बाद टीम मैदान पर उतरी और जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी राजशाही वॉरियर्स ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 132 रन बनाए। इस टीम ने पहली गेंद पर ही साहिबजादा फरहान (0) का विकेट गंवा दिया था। यहां से कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने तंजीद हसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जुटाए। तंजीद 20 रन बनाकर आउट हुए। शांतो ने यासिर अली के साथ तीसरे विकेट के लिए 32 रन जुटाए। कप्तान शांतो 28 गेंदों में 37 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि यासिर ने 13 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, मुशफिकुर रहीम ने 24 रन, जबकि मोहम्मद नवाज ने 26 रन जुटाए।

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम इंडिया के कप्तान बने

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए कमान मिली, वर्ल्ड कप में आयुष म्हात्रे ही कप्तान होंगे...

मुंबई,27 दिसम्बर 2025। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को भारतीय अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया है। वे साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम की कप्तानी करेंगे। 3 वनडे मैचों का यह सीरीज 3 जनवरी से शुरू होगी। हालांकि, वैभव 15 जनवरी से शुरू हो रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी नहीं करेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार को साउथ अफ्रीका टूर और अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम का ऐलान किया है। बोर्ड ने वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की कप्तानी आयुष म्हात्रे को सौंपी है। विहान मल्होत्रा उपकप्तान बनाए गए हैं। टीम इंडिया 15 जनवरी को यूएसए के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान का आगाज करेगी। दूसरा मैच 17 जनवरी को बांग्लादेश और तीसरा मैच 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप से पहले दो कप्तान क्यों?

बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज में बताया कि युवा टीम के रेग्युलर कप्तान आयुष म्हात्रे विहान मल्होत्रा को कलाई में चोट लगी है। इस कारण वे साउथ अफ्रीका दौरे से बाहर रहेंगे। दोनों चोट के इलाज के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे। फिर आईसीसी मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम से जुड़ेंगे। वैभव सूर्यवंशी को 14 साल की उम्र में कप्तानी मिली है।

सर्कस से प्रेरित एक खेल,जिसने ओलंपिक में जिमनास्ट को दिलाए मेडल

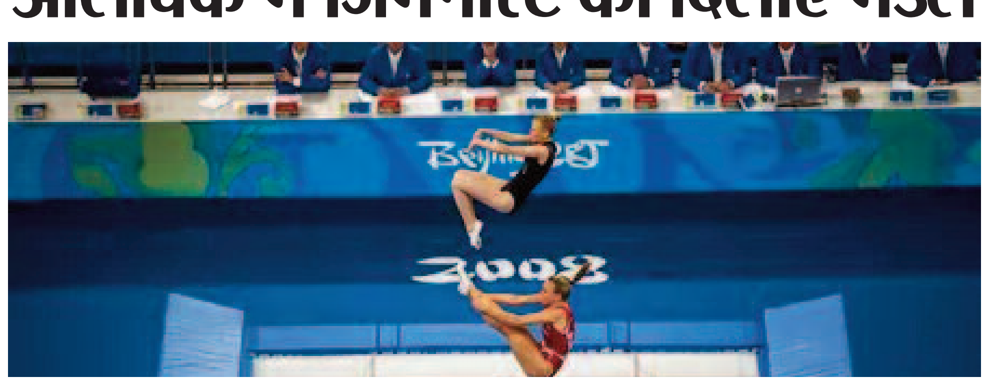

दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। ट्रैम्पोलिन एक ऐसा जिम्नास्टिक खेल है,जिसमें खिलाड़ी फ्लेक्सिबल नेट पर उछलते हुए हवा में कलाबाजियां और संतुलन वाले करतब करते हैं। ऊंचाई,तकनीक, नियंत्रण और सुरक्षित लैंडिंग के महत्व वाले इस खेल ने ओलंपिक में भी अपनी पहचान बनाई है। आधुनिक ट्रैम्पोलिन का इजाद जॉर्ज निसेन और लैरी ग्रिसवॉल्ड ने साल 1934 में किया था,जो सर्कस के कलाकारों के सुरक्षा जाल से प्रेरित थे। उन्होंने जब सर्कस के कलाकारों को इन जालियों पर फ्लिप और दूसरे एक्रोबेटिक स्टंट करते देखा, तो इसके आधुनिक स्वरूप को तैयार करने पर विचार किया। दोनों ने स्क्रैप मेटल और कैनवास से पहला नमूना बनाया,जिसे ट्रैम्पोलिन नाम दिया गया। जॉर्ज निसेन और लैरी ग्रिसवॉल्ड ने जिस ट्रैम्पोलिन को बनाया, सबसे पहले उसका इस्तेमाल अंतरिक्ष यात्री और टंबलर्स ने किया। फ्रांसीसी पायलट्स ने वेस्टिबुलर सिस्टम को ट्रेन करने के लिए ट्रैम्पोलिन का इस्तेमाल करना शुरू किया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद, ट्रैम्पोलिन अमेरिका तक पहुंचा। अमेरिकियों ने एस्ट्रोनॉट्स को ट्रेन करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। 40 के दशक में इसने एक खेल के रूप में अपनी पहचान बनाई। 1948 में पहली अमेरिका नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। साल 1957 में यूरोप में इसका हेडक्वार्टर बना। साल 1958 में इंग्लैंड ने पहली नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन किया। पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप 1964 में हुई। इसी साल अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ की स्थापना हुई।

2000 सिडनी ओलंपिक में पहली बार इस खेल को आधिकारिक तौर पर ओलंपिक में शामिल किया गया, जिसमें पुरुषों के साथ महिला एथलीट्स ने भी हिस्सा लिया। ट्रैम्पोलिन में जिमनास्ट फॉरवर्ड और बैकवर्ड फ्लिप करते हैं। इसमें ट्रिफस और मिलर को भी जोड़ा जा सकता है। ट्रिफस में एक हाफ ट्विस्ट के साथ ट्रिपल फ्रंट समरसॉल्ट होता है, जबकि मिलर में तीन ट्विस्ट के साथ डबल बैक फ्लिप शामिल होता है। ओलंपिक में इस खेल में स्कोर के लिए 4 मुख्य श्रेणियां होती हैं। इसमें एग्जीक्यूशन, डिफिकल्टी,हॉरिजॉन्टल डिस्प्लेसमेंट और टाइम टू फ्लाइट शामिल हैं।

ओलंपिक में ट्रैम्पोलिन का आकार 5.05 मीटर लंबा और 2.91 मीटर चौड़ा होता है। इसकी ऊंचाई करीब 1.155 मीटर होती है। ट्रैम्पोलिन का बेड सिंथेटिक से निर्मित होता है, जिसमें इतनी लचक होती है कि एथलीट्स 8 मीटर तक हवा में उछल सकते हैं। फ्रेम के चारों ओर सुरक्षा मैट लगे होते हैं। इसके साथ ही फर्श पर भी 2 मीटर चौड़े सुरक्षा मैट होते हैं। पूरे हॉल की ऊंचाई 8-10 मीटर होती है। भारत ट्रैम्पोलिन जिम्नास्टिक में फिलहाल शुरुआती दौर में है। बेहतरीन ट्रेनिंग और कोचिंग से भविष्य में भारतीय जिमनास्ट इस खेल में पदक अपने नाम कर सकते हैं। इसके लिए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर की जरूरत होगी।

टेस्ट फॉर्मेट में तहलका मचाने वाले 5 विदेशी खिलाड़ी

दिल्ली,27 दिसम्बर 2025। साल 2025 में टेस्ट फॉर्मेट में कई खिलाड़ियों ने अपनी चमक बिखेरी। इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के अलावा प्रतिष्ठित एशेज सीरीज के चार मुकाबले भी खेले गए। इस वर्ष शीर्ष बल्लेबाजों और गेंदबाजों की सूची में भारत,इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों का जलवा रहा है। आइए,उन 5 विदेशी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं,जिन्होंने इस साल टेस्ट क्रिकेट में अपनी धाक जमाई है। ट्रेविस हेड ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस साल 11 टेस्ट मैच खेले,जिसकी 21 पारियों में 40.85 की औसत के साथ 817 रन बनाए। इस दौरान 2 शतक और 3 अर्धशतक शामिल रहे। हेड ने दिसंबर में इंग्लैंड के विरुद्ध 170 रन की पारी भी खेली। वह इस साल सर्वाधिक रन बनाने वालों में दूसरे पायदान पर रहे। ब्लेसिंग मुजारबानी जिम्बाब्वे के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने इस साल 10 टेस्ट की 15 पारियों में 26.80 की औसत के साथ 42 विकेट निकाले। इस दौरान उन्होंने 3 बार पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट हासिल किए। जो रूट इंग्लिश खिलाड़ी ने साल 2025 में कुल 10 टेस्ट खेले, जिसकी 18 पारियों में 50.31 की औसत के साथ 805 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 4 शतक और 1 अर्धशतक देखने को मिला। रूट ने इस साल 82 चौके भी लगाए। मिचेल स्टार्क- यह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी साल 2025 में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाला गेंदबाज रहा। उन्होंने 11 टेस्ट मुकाबलों की 22 पारियों में 17.32 की औसत के साथ 55 विकेट निकाले। इस दौरान 3 बार पारी में फाइव विकेट हॉल लिया। हैरी ब्रूक- इंग्लैंड के 26 वर्षीय बल्लेबाज ने इस वर्ष 10 टेस्ट की 18 पारियों में 4 शतक और 2 अर्धशतक के साथ 771 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 45.35 की औसत के साथ बल्लेबाजी की। ब्रूक ने साल 2025 में टेस्ट क्रिकेट के दौरान 14 छक्के और 82 चौके लगाए।

CMYK

पं. धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर भड़के भूपेश बघेल

कहा...'कल का बच्चा हमें सनातन धर्म सिखाएंगे?'...

छत्तीसगढ़ के संतों से शास्त्रार्थ की दी चुनौती

रायपुर,27 दिसम्बर 2025। हनुमंत कथा के लिए भिलाई पहुंचे पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीखा पलटवार किया है। भूपेश बघेल को विदेश चले जाना चाहिए। उनके इस बयान पर बघेल ने कहा, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री छत्तीसगढ़ में पैसा बटोरने आते हैं। उनका जन्म नहीं हुआ था तब से हनुमान चलीसा पढ़ रहा हूं। शास्त्री से मेरा बेटा भी 10 साल बड़ा है। धीरेंद्र शास्त्री कल का बच्चा है। वो हमें सिखाएंगे सनातन धर्म क्या है?

भूपेश बघेल ने कहा,धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को चुनौती देता हूं कि वो छत्तीसगढ़ के किसी भी साधु संत से शास्त्रार्थ कर लें। लोग दिव्य दरबार से ठीक हो रहे हैं तो मेडिकल कॉलेज क्यों खोल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में कबीर और गुरु घासीदास की वाणी गूंजती है। छत्तीसगढ़ शांति का टापू है। धीरेंद्र शास्त्री बीजेपी के एजेंट के रूप में काम करते हैं। दूसरे प्रदेश में बोलकर बताएं

CWC की बैठक में तैयार होगा 4-5 महीनों का रोडमैप : दीपक बैज

कांग्रेस की CWC की बैठक कल दिल्ली में बैठक होगी,जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज समेत कई बड़े नेता शामिल होंगे। CWC की बैठक को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा,बैठक में संगठन संबंधित चर्चाएं होंगी। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से मिलेंगे और प्रदेश के लिए आगामी रणनीति बनाएंगे। 4-5 महीनों के लिए रोडमैप तैयार करेंगे। राजधानी रायपुर में मुस्लिम समाज के प्रदर्शन को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, आगर कोई हज में जाता है और उसको जबरन पुलिस घर से उठाकर ले जाती है तो यह गलत है। पुलिस प्रशासन को इस मामले में गहराई से परीक्षण करना चाहिए। निष्पक्ष जांच करनी चाहिए।मॉल में तोड़फोड़ पर बैज बोले...प्रदेश में खत्म हो गया है लॉ एंड आर्डर

बजरंग दल द्वारा रायपुर के मैग्नेटो मॉल में तोड़फोड़ को लेकर बैज ने कहा, प्रदेश में लॉ एंड आर्डर खत्म हो गया है। खुलेआम किसी धर्म विशेष के प्रति एक मॉल में तोड़फोड़ की जाती है। क्या सरकार की यही कानून व्यवस्था है। ये दोहरी नीति क्यों? कोई भी व्यक्ति हो,किसी धर्म या किसी धर्म के आस्था के प्रति अगर इस तरह की चोट पहुंचाएगा तो सरकार को निष्पक्ष होकर कार्रवाई करनी चाहिए,लेकिन अभी तक खुलेआम अपराधी घूम रहे हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री चर्च में जाकर प्राथना करते हैं और दूसरी तरफ उनके अंधभक्त पूरे देश में सड़कों पर उत्पात मचाते हैं। भाजपा का यही एजेंडा है।

हमारा देश ऋषि-मुनियों का देश,भूपेश में आज भी अज्ञानता:मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 27 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल द्वारा पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को भाजपा का एजेंट कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि हमारा देश ऋषि-मुनियों का देश है। प्राचीन काल से हम संत-महात्माओं का सम्मान करते आए हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर को बीजेपी का एजेंट कहना सनातन धर्म और बागेश्वर धाम का अपमान है. इसका निर्णय जनता करेगी।

बता दें, बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भिलाई में 5 दिवसीय हनुमंत कथा के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। उनके प्रदेश आगमन होते ही धर्मांतरण और धर्म को लेकर सियासी बयान बाजी तेज हो गई। दरअसल, पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कथावाचकों पर अंधविश्वास फैलाने के आरोप लगाते हुए पाखंडी बताया था, जिसके बाद पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उनके बयान का पलटवार करते हुए कहा था कि अगर हिंदू समाज को जोड़ना अंधविश्वास है, तो ऐसे लोगों को देश छोड़ देना चाहिए।

वहीं देश छोड़ देने वाले पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान पर पूर्व सीएम बघेल ने शुक्रवार को तीखा हमला बोला था. उन्होंने कहा था कि 'धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री छत्तीसगढ़ में धार्मिक आयोजनों की आड़ में पैसा बटोरने आते हैं और व्यवहार में बीजेपी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा...'जब धीरेंद्र शास्त्री पैदा भी नहीं हुए थे,तब से मैं हनुमान चालीसा पढ़ रहा हूं। वह कल का बच्चा है और हमें सनातन धर्म सिखाने चला है। 'दोनों ओर से चल रही बयानबाजी के बीच आज सीएम साय ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा...इसका फैसला जनता करेंगी।

दो ट्रकों की आपस में जोरदार टक्कर,थमीं दो ड्राइवरों की सांसें

जशपुर,27 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के जशपुर में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के काईकछार में दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रक सड़क पर पलट गए। हादसे में दोनों ट्रकों के चालकों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर की मदद से ट्रकों में फंसे शवों को बाहर निकाला. पुलिस ने मर्ग कायम कर दोनों मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

तमनार में कोयला खदान विरोध ने लिया उग्र रूप

ग्रामीणों के हमले में महिला टीआई हुई गंभीर रूप से घायल

रायपुर,27 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक के धौराभाठा गांव में जिंदल उद्योग को आवंटित गारे-पेलमा सेक्टर-1 कोल ब्लॉक के विरोध में चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन शनिवार को हिंसक हो गया। भू-अधिग्रहण और प्रस्तावित उत्खनन परियोजना के खिलाफ धरने पर बैठे ग्रामीणों को हटाने पहुंची पुलिस के साथ झूमाझटकी हो गई, जिसके बाद हालात बेकाबू हो गए। सीएचपी चौक पर प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव किया और मौके पर खड़ी बसों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। इस दौरान महिला टीआई कमला पुसाम पर हमला हुआ, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस कार्रवाई के दौरान करीब 30 से 35 ग्रामीणों को हिरासत में लेकर थाने भेजा गया। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन और तेज कर दिया। पुलिस पार्टी पर ग्रामीणों ने पत्थरों से हमला किया। हालात संभालने के लिए अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा।

बता दें कि ग्रामीण पिछले करीब 15 दिनों से सीएचपी चौक पर कोल ब्लॉक आवंटन के विरोध में धरना दे रहे थे। उनकी मांग थी कि

प्रस्तावित जनसुनवाई को रद्द किया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि कोयला खदान से पर्यावरण को गंभीर नुकसान होगा और बड़े पैमाने पर विस्थापन की आशंका है।

धरना हटाने की कार्रवाई के दौरान एक ग्रामीण के सड़क हादसे में घायल होने की सूचना के बाद विवाद और बढ़ गया। पथराव के बीच एक बस को भी नुकसान पहुंचाया गया। फिलहाल इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और पुलिस स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है।

मजिस्ट्रेट के आदेश पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति किसान मोर्चा को सौंपी गई, हाईवे पर स्थापना के दौरान पुलिस ने की थी जब्ती

महासमुंद,27 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति जब्त कर कौवाझर पंचायत में सुरक्षित रख दिया था। इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस ने जब्त छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति को वापस किसाना मोर्चा को सौंपी।

बता दें कि छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा 28 नवंबर को नेशनल हाईवे 53 पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति स्थापित कर रहा था। नेशनल हाईवे पेट्रोलिंग टीम द्वारा तुमगांव थाने में शिकायत के बाद प्रशासन ने छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति लगाने से मना किया। इसका विरोध करने पर पुलिस ने बी एन एस की धारा 285 , 3(5) एवं 8-B राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति जब्त कर कौवाझर पंचायत में सुरक्षित रख दिया

23 दिसंबर को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मामले की सुनवाई की। उन्होंने आवेदक अनिल दुबे की जमानत मुचलका स्वीकार कर किया और तुमगांव पुलिस को आदेशित किया कि जब्त छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति को आवेदक को सुपुर्द किया जाए। इसी कड़ी में पुलिस ने नायब तहसीलदार की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ महतारी को सुपुर्द किया। छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा के सदस्यों ने बाजे-गाजे के साथ मूर्ति को लेकर गांव में घुमाया था।

रायपुर कोर्ट परिसर में महिलाओं के बीच जमकर मारपीट

रायपुर,27 दिसम्बर 2025। राजधानी रायपुर के कोर्ट परिसर में उस वक़्त हड़कंप मच गया जब अचानक दो महिला गुटों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। दोनों महिलाएं तेलीबांधा थाना क्षेत्र के देवर बस्ती की बताई जा रही है।

दोनों महिलाएं किसी मामले की सुनवाई में कोर्ट आई थी। दोनों पक्ष किसी मामले की सुनवाई के सिलसिले में कोर्ट पहुंचे थे,इसी दौरान आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट शुरू हो गई।

बताया जा रहा है कि बीते करीब आधे घंटे तक महिलाओं के बीच विवाद चलता रहा। इस दौरान कोर्ट परिसर में अफ़रा-तफरी का माहौल बन गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

IAS-IPS बनने दिल्ली में रहकर पढ़ने का छत्तीसगढ़ के होनहारों को मिलेगा मौका

प्राक्चयन परीक्षा आज

रायपुर, 27 दिसम्बर 2025। राजीव युवा उत्थान योजना अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी हेतु 28 दिसंबर को प्राक्चयन परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए रायपुर में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय गुढ़ियारी रायपुर,में 386 अभ्यर्थी जबकि प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सडडू, में 701अभ्यर्थियों के परीक्षा में सम्मिलित होने संबंधी परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस प्रकार प्राक्चयन परीक्षा में कुल 1087 अभ्यर्थियों के सम्मिलित होने की संभावना है। परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा दोपहर 12.00 से 2:00 तक आयोजित होगी। परीक्षा संबंधी अधिक जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in तथा https://hmstribal.cg.nic.in का अवलोकन कर परीक्षा केंद्र, रोल नंबर की जानकारी एवं फोटोयुक्त प्रवेश पत्र डाउनलोड किये जा सकते हैं।

कलिंगा यूनिवर्सिटी के तीन विदेशी छात्र गैर इरादतन हत्या के मामले में गिरफ्तार

रायपुर,27 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे नवा रायपुर क्षेत्र में कलिंगा यूनिवर्सिटी के एक विदेशी छात्र की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। गैर इरादतन हत्या के इस प्रकरण में कलिंगा यूनिवर्सिटी के तीन विदेशी नागरिक छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। मामला थाना मंदिर हसौद क्षेत्र अंतर्गत नवा रायपुर सेक्टर-16 का है, जहां एक ईडब्ल्यूएस भवन से गिरने के बाद छात्र की मौत हो गई थी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 22 दिसंबर 2025 को नवा रायपुर सेक्टर-16 स्थित ईडब्ल्यूएस 30/06 बिल्डिंग से गिरकर कलिंगा यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत विदेशी छात्र सैमपुर जुदे की मौत हो गई थी।

घटना के बाद थाना मंदिर हसौद में मर्ग कायम कर पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि 22 दिसंबर की शाम लगभग 7 बजकर 10 मिनट पर मृतक सैमपुर जुदे अपने एक साथी के साथ बिल्डिंग के पास खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान कलिंगा

यूनिवर्सिटी के ही तीन अन्य विदेशी छात्र- नोउई कुर माजाक,सबरी पालीनो उर्फ टोनी और मोहम्मद खलफल्ला ओमर हसन वहां पहुंचे। उन्होंने मृतक पर अपने एक साथी छात्रा के साथ बदतमीजी करने का आरोप लगाते हुए उससे वाद-विवाद शुरू कर दिया और मारपीट की कोशिश करने लगे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मारपीट के डर से भयभीत होकर मृतक सैमपुर जुदे अपने किराए के मकान की सीढ़ियों से होते हुए छत की ओर भागा। आरोप है कि तीनों आरोपी भी उसके पीछे-पीछे छत तक पहुंच गए। खुद को बचाने के प्रयास में मृतक ने बिल्डिंग की छत से नीचे छलांग लगा दी। नीचे कांक्रीट रोड होने के कारण गिरते ही उसके सिर, मुंह और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में मृतक को उसके साथियों द्वारा उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मर्ग जांच को अपराध में परिवर्तित किया। थाना मंदिर हसौद पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों की पतासाजी कर उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर तीनों के खिलाफ अपराध क्रमांक 662/25 धारा 105 एवं 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद विश्वविद्यालय परिसर और नवा रायपुर क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल बना हुआ है।

आयुष्मान योजना में गड़बड़ी

32 अस्पतालों पर मरीजों से ज्यादा वसूली का आरोप,2 का पंजीयन किया गया रद्द

रायपुर,27 दिसम्बर 2025। प्रदेश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कुछ अस्पतालों द्वारा आयुष्मान कार्डधारकों से इलाज के समय अधिक राशि वसूल की गई है। शिकायत के बाद किसी का पंजीयन निरस्त किया गया, तो वहीं कुछ अस्पतालों ने मरीजों को राशि वापस कर दी। कुछ को चेतावनी पत्र जारी किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान कार्डधारकों से 32 निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों से अधिक राशि वसूली की शिकायत मिली है। इसमें दो का पंजीयन निरस्त किया, तो चार ने राशि वापस की है। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने दी।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने जवाब में बताया कि प्रदेश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना अंतर्गत एक वर्ष में कुल 47 निजी अस्पतालों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं। इसमें 32 अस्पतालों के खिलाफ मरीजों से अधिक राशि वसूलने और अन्य तरह की अनियमितताओं की 47 शिकायतें मिली हैं।

मैग्नेटो मॉल के मामले में बजरंग दल का तेलीबांधा थाने पर जोरदार प्रदर्शन

रायपुर,27 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में क्रिसमस के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ का मामला अब गरमाता जा रहा है। मैग्नेटो मॉल में तोड़फोड़ के आरोपी बजरंग दल कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने तेलीबांधा थाने के सामने नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। पुलिस बल की भारी तैनाती के बावजूद प्रदर्शनकारी अपनी मांग पर अड़े रहे, जिससे प्रशासन और संगठन के बीच तीखा टकराव देखने को मिला।

गिरफ्तारी के विरोध में सड़क पर उतरे कार्यकर्ता, पुलिस रही बेखबर

रायपुर पुलिस ने शुक्रवार की देर रात कार्रवाई करते हुए करीब एक दर्जन बजरंग दल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। यह कार्रवाई 24 दिसंबर को मैग्नेटो मॉल में हुए हंगामे और तोड़फोड़ के सिलसिले में की गई थी। शनिवार को कार्यकर्ताओं ने रणनीति के तहत 'गिरफ्तारी देने' के बहाने थाने का घेराव किया और अचानक सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। पुलिस को इस प्रदर्शन की पूर्व सूचना नहीं थी, जिसके कारण मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया।

मॉल में हुई यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें हमलावरों को हाथ में डंडे लेकर तोड़फोड़ करते साफ देखा जा सकता है। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए 30 से 40 अज्ञात और नामजद लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की गंभीर धाराओं, जिनमें बलवा और मारपीट से जुड़ी धाराएं 115(2), 190, 191(2), 324(2) और 331(3) शामिल हैं, के तहत केस दर्ज किया गया है।

बजरंग दल का तर्क: कांकेर हिंसा और सांता की मूर्ति पर विवाद

बजरंग दल के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा ने पुलिसिया कार्रवाई को अनुचित बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कांकेर में हिंदू भाइयों के साथ हुई हिंसा पर प्रशासन मौन रहा, जिसके कारण 'छत्तीसगढ़ बंद' का आह्वान करना पड़ा। वर्मा ने दावा किया कि मॉल प्रबंधन ने जानबूझकर सांता की मूर्ति लगाकर भावनाओं को भड़काया। उन्होंने तर्क दिया कि बाइबल में सांता का कोई उल्लेख नहीं है और डेकोरेशन हटाने को 'बड़ी तोड़फोड़' का नाम देकर उनके कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

मॉल प्रबंधन का आरोप: जाति और धर्म पूछकर किया गया हमला

दूसरी ओर, मैग्नेटो मॉल की मार्केटिंग हेड आभा गुप्ता ने घटना का खौफनाक मंजर बयां किया है। उनके अनुसार, मॉल बंद के समर्थन में पहले से ही बंद था, फिर भी 50 से 100 उपद्रवी लाठी और हॉकी स्टिक लेकर अंदर घुस आए। आरोप है कि ये लोग कर्मचारियों का आईडी कार्ड चेक कर रहे थे और उनसे उनकी जाति व धर्म पूछ रहे थे। इस दौरान मॉल के कर्मचारियों में इतना डर था कि कई लोग रोने लगे। प्रबंधन का दावा है कि इस हिंसा में मॉल को लगभग 15 से 20 लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और ट्रैफिक डायवर्जन

प्रदर्शन को देखते हुए तेलीबांधा इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मौके पर 2 एएसपी, 4 सीएसपी और एक दर्जन से अधिक थाना प्रभारियों सहित अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। चक्काजाम के कारण आम जनता को परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर हसौद और एयरपोर्ट की ओर से आने वाले ट्रैफिक को तेलीबांधा चौक से नेशनल हाईवे की ओर डायवर्ट किया गया है। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)